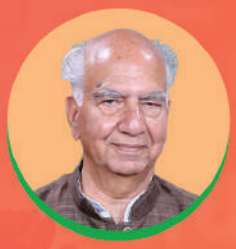

संकल्प पत्र 2022

नया रिवाज़ बनाएंगे फिर भाजपा लाएंगे

भारतीय जनता पार्टी, हिमाचल प्रदेश

भाजपा को वोट दें

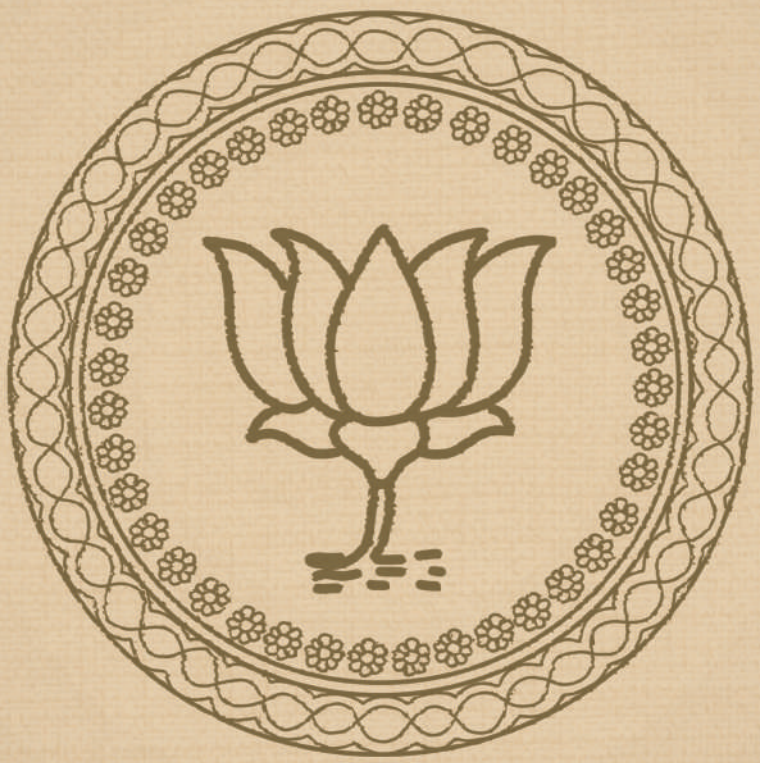

नया
रिवाज़ बनाएंगे
फिर भाजपा लाएंगे

हमारी उपलब्धियां

गरीबों का कल्याण

1. हिमाचल प्रदेश में भाजपा सरकार के अथक प्रयासों से **हिमकेयर और आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत पंजीकृत 11.3 लाख परिवारों में से 7.57 लाख परिवारों का इलाज़** किया गया। दोनों योजनाओं के कार्यान्वित में **495.70 करोड़ रुपये व्यय** किये गए।

2. भाजपा सरकार ने **प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्रों** और **मुख्यमंत्री नि-शुल्क दवा योजना** के माध्यम से लोगों को सस्ती दरों पर 1,**374 सूचीबद्ध दवाएं** उपलब्ध कराई हैं इस योजना के अन्तर्गत **216 करोड़ रुपये व्यय** किये गए।

कृषि और संबंधित क्षेत्र

3. भाजपा सरकार ने **"प्राकृतिक खेती-खुशहाल किसान योजना"** के अंतर्गत **46.15 करोड़ रुपये** के व्यय से प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने पर जोर दिया, जिससे **1,53,643 किसान लाभान्वित** हुए हैं।

4. **"प्रधान मंत्री किसान सम्मान निधि योजना"** के तहत भाजपा सरकार हिमाचल प्रदेश के **9.83 लाख** से अधिक **किसानों को 6000 रुपये** की मासिक आर्थिक सहायता प्रदान कर रही है .

5. भाजपा सरकार ने **कृषि बजट में 40.65%, बागवानी बजट में 85.27% और पशुपालन, डेयरी और मत्स्य पालन बजट में 46.30%** की वृद्धि करके कृषि और संबंधित क्षेत्रों का समग्र विकास किया।

6. हिमाचल प्रदेश में **किसान की आय बढ़ाने** के लिए, **भाजपा सरकार ने नवीनतम कृषि तकनीकों के उपयोग** को बढ़ावा दिया है जिसके परिणामस्वरूप **भारत में पहली बार लाहौल और स्पीति** के ठंडे और शुष्क **जिले में हींग की खेती** की गई है।

आधारभूत संरचना

7. भाजपा सरकार ने **ऊना में एक बल्क ड्रग पार्क** और **नालागढ़ में मेडिकल डिवाइस पार्क** की नींव **1,550 करोड़ रुपये के निवेश के माध्यम से की** और राज्य में **40,000 नए रोजगार** के अवसर पैदा किए जाएंगे।

8. भाजपा सरकार ने **प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत हिमाचल प्रदेश के ग्रामीण इलाकों में 20,000 किलोमीटर** से अधिक सड़कों का निर्माण कर **राज्य के 10,591 गांवों को पक्की सड़कों से जोड़ा** है, जिससे **20 लाख ग्रामीणों को लाभ मिल रहा है**। राज्य में भाजपा के द्वारा ये राष्ट्रीय राज मार्ग की लम्बाई **2,654 कि.मी. से बढ़कर 6,965 कि.मी.** हो गयी है, **एवं 4,507 कि.मी. अन्य सड़कों को सैद्धांतिक राष्ट्रीय राजमार्ग घोषित** किया गया है।

9. भाजपा सरकार ने **जल जीवन मिशन** के अंतर्गत हिमाचल प्रदेश के **97% घरों में पीने योग्य नल का पानी उपलब्ध कराया है** ।

10. **अटल सुरंग** हिमाचल प्रदेश के लोगों के लिए भाजपा सरकार के **सबसे बड़े धरोहरों में से एक है**। इसने **आम जनता के लिए आवागमन को आसान बना दिया** है और **सभी मौसमों में सशस्त्र बलों की आवाजाही** को सुगम किया है।

11. **स्वदेशी रूप से विकसित यात्री डिब्बों के साथ** हिमाचल में चलाई गई **वंदे भारत एक्सप्रेस** ने हिमाचल प्रदेश में **रेलवे के बुनियादी ढांचे और रेलवे कनेक्टिविटी** को एक बड़ा बढ़ावा दिया है।

12. भाजपा सरकार ने हिमाचल प्रदेश में रेलवे परियोजनाओं के लिए राज्य के बजट आवंटन में भारी वृद्धि की है जिससे रेलवे बजट **229.62% बढ़कर 1,780 करोड़ रुपये हो गया है**।

शिक्षा

13. भाजपा सरकार ने राज्य में युवाओं के कौशल विकास के लिए **एम्स बिलासपुर और आईआईएम-सिरमौर** जैसे प्रमुख शिक्षन संस्थान स्थापित किये हैं।

14. भाजपा सरकार के **हर घर पाठशाला कार्यक्रम ने** COVID-19 अवधि के दौरान **निर्बाध शैक्षणिक गतिविधियों को सुनिश्चित किया**, जिसके अंतर्गत **1.92 लाख व्हाट्सएप ग्रुप** बनाए गए, जिससे **7,69,878 छात्र लाभान्वित हुए।**

स्वास्थ्य

15. भाजपा सरकार ने , **हिमाचल प्रदेश में 1.5 करोड़ से अधिक टीकाकरण समयबद्ध रूप में किया**, जिसके कारण **प्रदेश COVID-19 टीकाकरण पूर्ण रूप से करने वाला पहला राज्य बना**।

16. भाजपा सरकार ने राज्य में **अस्पताल के बिस्तरों की कुल संख्या को बढ़ाकर 8,765, वेंटिलेटर की संख्या 1,014 और चिकित्सा ऑक्सीजन उत्पादन 59.37 मीट्रिक टन प्रति दिन तक बढ़ाकर** स्वास्थ्य सेवा के बुनियादी ढांचे को उन्नत किया।

महिला सुरक्षा और बाल विकास

17. भाजपा सरकार ने **उज्ज्वला योजना और गृहिणी सुविधा योजना** के अंतर्गत **4.63 लाख गृहिणियों को गैस सिलेंडर वितरित किए**, जिसकी वजह से **हिमाचल प्रदेश भारत का पहला "धुआँ-मुक्त"** राज्य बना है।

18. भाजपा सरकार ने हिमाचल प्रदेश में महिलाओं के लिए **शक्ति ऐप विकसित किया** गया है और किसी भी अपराध और हिंसा की त्वरित रिपोर्टिंग और जांच को सक्षम करने के लिए **गुड़िया हेल्पलाइन नंबर** शुरू किया गया है।

19. भाजपा सरकार द्वारा हिमाचल प्रदेश में **गरीब परिवार की बेटियों को** उनकी शादी के लिए **कन्यादान योजना और शगुन योजना अंतर्गत 51,000 रुपये और 31,000 रुपये क्रमशः** प्रदान किये जा रहे हैं।

20. भाजपा सरकार ने **महिला यात्रियों को एचआरटीसी बसों के किराए में 50 प्रतिशत की छूट दी** है, इस सुविधा का प्रदेश की महिलाओं द्वारा व्यापक रूप से उपयोग किया जा रहा है।

सामाजिक कल्याण

21. **सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना का विस्तार करने के लिए**, भाजपा सरकार ने वृद्धावस्था पेंशन के लिए न्यूनतम **आयु सीमा को 80 वर्ष से घटाकर 60 वर्ष कर दिया और आय सीमा को भी हटाया** जिससे लाभार्थियों की कुल संख्या 7.21 लाख हो गई एवं राशि में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है।

पूर्व सैनिक

22. हमारे पूर्व सैनिकों की लंबे समय से लंबित मांग को पूरा करते हुए, भाजपा सरकार ने **वन रैंक वन पेंशन (OROP)** को लागू किया है, जिसके माध्यम से हिमाचल प्रदेश के 94,709 भूतपूर्व सैनिक इस योजना से लाभान्वित हुए हैं।

23. भाजपा सरकार ने **सरकारी नौकरियों में भूतपूर्व सैनिकों के लिए 15% आरक्षण निर्धारित किया**, जो यह सुनिश्चित करता है कि भूतपूर्व सैनिक अपने जीवन की वित्तीय और सामाजिक स्थिरता के लिए अपनी सेवा के बाद भी नौकरी कर सकें।

युवा एवं स्वरोजगार

24. **मुख्यमंत्री स्वावलंबन योजना** के माध्यम से **भाजपा सरकार ने 860 करोड़ रुपये के निवेश** के साथ **4862 परियोजनाओं को मंजूरी देकर युवाओं के लिए स्वरोजगार** की पहल को बढ़ावा दिया परिणामस्वरूप 7,216 युवाओं को रोजगार प्रदान किया गया है।

25. **मुख्यमंत्री स्टार्टअप** योजना के तहत **11.35 करोड़ रुपये** की लागत से प्रदेश में **191 स्टार्ट-अप्स और 12 इन्क्यूबेशन केंद्रों तक लाभ पहुंचा** है।

26. भाजपा सरकार ने **2019 में धर्मशाला में ग्लोबल इन्वेस्टर्स मीट** का आयोजन किया, जिसमें **96,721 करोड़ रुपये के 703 निवेश प्रस्तावों** पर हस्ताक्षर किए गए।

सुशासन

27. भाजपा सरकार द्वारा **पिछले 5 वर्षों में 26 अलग-अलग स्थानों पर 256 जन मंच आयोजित किये गए और 55,249 शिकायतों का निवारण** किया गया है।

28. भाजपा सरकार ने **मुख्यमंत्री सेवा संकल्प हेल्पलाइन** के माध्यम से **राज्य के लोगों की 4,30,516 शिकायतों में से 4,14,582** शिकायतों का समयबद्ध तरीके से निवारण किया गया है।

सरकारी कर्मचारी कल्याण

29. हिमाचल प्रदेश की भाजपा सरकार ने प्रदेश में नियमित महिला कर्मचारियों के लिए 180 दिन का बाल दत्तक ग्रहण अवकाश स्वीकृत किया है।

30. भाजपा सरकार ने राज्य के **एक लाख से अधिक** NPS कर्मचारियों को लाभ पहुंचाने के लिए **NPS के सरकारी योगदान को 10% से बढ़ाकर 14% कर दिया गया** है और **ग्रेच्युटी की ऊपरी सीमा को भी 10 लाख रुपये से बढ़ा 20 लाख रुपये** कर दिया गया है।

स्त्री शक्ति संकल्प

महिला समूह के लिए शीर्ष संकल्प

01 हम बीपीएल परिवारों की लड़कियों शादी के लिए वित्तीय सहायता को मौजूदा **31,000 रुपये से 51,000 रुपये** तक बढ़ाकर मुख्यमंत्री शगुन योजना का विस्तार करेंगे।

02 हम **छठी से बारहवीं कक्षा तक की स्कूली छात्राओं को साइकिल** और **उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाली लड़कियों को स्कूटी** उपलब्ध कराएंगे।

03 हम **500 करोड़ रुपये का एक कोष स्थापित करेंगे** जिसके माध्यम से महिला उद्यमियों को होमस्टे स्थापित करने के लिए **ब्याज मुक्त ऋण** दिया जाएगा।

हम **महिला स्वयं सहायता समूहों** को दिए जाने वाले ऋणों की ऊपरी सीमा को बढ़ाकर उन्हें **सशक्त बनाएंगे** और उन्हें दिए जाने वाले ऋण पर लगने वाले ब्याज **दर को घटाकर 2 प्रतिशत** करेंगे।

04 हम मां और बच्चे के उचित स्वास्थ्य और देखभाल को सुनिश्चित करने के लिए **गर्भवती महिलाओं को 25,000 रुपये की राशि** प्रदान करेंगे।

05 हम एक नई, **देवी अन्नपूर्णा योजना** के माध्यम से **राज्य में गरीब परिवारों की महिलाओं को 3 मुफ्त रसोई गैस सिलेंडर** प्रदान करेंगे।

06 हम **अटल पेंशन योजना में, गरीब परिवारों की 30 वर्ष से अधिक आयु की सभी महिलाओं** को सम्मिलित करेंगे।

07 हम **सरकारी स्कूलों की 12वीं कक्षा में शीर्ष 5000 रैंक वाली छात्राओं को उनके स्नातक की पढ़ाई के दौरान 2,500 रुपये प्रति माह** की छात्रवृत्ति राशि प्रदान करेंगे।

08 हम राज्य की ग्रामीण महिलाओं के लिए उचित मूल्य की दुकानों के माध्यम से उनके पशुधन हेतु **गुणवत्तापूर्ण चारे की खरीद और वितरण को आसान बनाने के लिए एक प्रणाली** स्थापित करेंगे।

09 हम प्रदेश की **सभी महिलाओं को, ऐसी बीमारियों की जांच और इलाज के लिए,** जो वर्तमान में **हिमकेयर कार्ड में कवर नहीं हैं, स्त्री शक्ति कार्ड** के माध्यम से कवरेज प्रदान करेंगे।

10 हम राज्य के सभी **12 जिलों में से प्रत्येक में दो बालिका छात्रावासों का निर्माण** करेंगे जो की उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाली लड़कियों को समर्पित होंगे।

11 हम राज्य की **सरकारी नौकरियों और शैक्षणिक संस्थानों में महिलाओं के लिए 33% आरक्षण** सुनिश्चित करेंगे।

शीर्ष संकल्प

01 भाजपा सरकार **हिमाचल प्रदेश में समान नागरिक संहिता** लागू करेगी।

02 भाजपा सरकार **मुख्यमंत्री अन्नदाता सम्मान निधि** की शुरुआत करेगी जिसके अंतर्गत **छोटे किसानों को सालाना 3,000 रुपये** की राशि दी जाएगी, जो प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के अंतर्गत दिए जा रहे 6,000 रुपये

03 भाजपा सरकार हिमाचल प्रदेश के **युवाओं के लिए 8 लाख रोजगार के अवसरों का सृजन** करेगी।

04 भाजपा सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि अगले 5 वर्षों में **राज्य के सभी गांवों को प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के अंतर्गत पक्की सड़कों से जोड़ा जाए।**

05 भाजपा सरकार **शक्ति** नामक एक कार्यक्रम शुरू करेगी और **12,000 करोड़ रुपये** का निवेश अगले 10 सालों में करेगी जिसके माध्यम से सभी प्रमुख मंदिरों के आसपास **परिवहन और भौतिक बुनियादी ढांचे को विकसित किया जाएगा।** इन मंदिरों को प्रमुख शहरों से **हिम-तीर्थ सर्किट** के माध्यम से विशेष बसों द्वारा जोड़ा जाएगा।

06 भाजपा सरकार **सेब पैकेजिंग सामग्री पर किसानों द्वारा जीएसटी भुगतान को 12% तक सीमित** कर देगी। पैकेजिंग पर किसी भी प्रकार की अतिरिक्त जीएसटी लागत राज्य सरकार द्वारा वहन की जाएगी।

07 भाजपा सरकार, **राज्य में पांच नए मेडिकल कॉलेज** स्थापित करेगी और प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में **मोबाइल क्लिनिक वैन की संख्या दोगुनी** करेगी।

08 भाजपा सरकार, **900 करोड़ रुपये के कोष के साथ हिम-स्टार्टअप** योजना स्थापित करेगी जिससे युवाओं के रोजगार सृजन हेतु स्टार्टअप को बढ़ावा मिलेगा।

09 भाजपा सरकार, हुतात्मा सम्मान राशि योजना के अंतर्गत **विभिन्न परिस्थितियों में शहीद हुए हुतात्मा सैनिकों के आश्रितों को दी जाने वाली अनुग्रह राशि में उल्लेखनीय वृद्धि** करेगी।

10 भाजपा सरकार कानून के अनुसार **वक्फ संपत्तियों का सर्वे कराएगी** और, **ऐसी संपत्तियों के अवैध उपयोग की जांच करने के लिए न्यायिक आयोग** गठित करेगी।

11 भाजपा सरकार द्वारा **सरकारी कर्मचारियों के वेतन में विसंगतियों को दूर** किया जाएगा।

अनुक्रमणिका

16 सुशासन
18 कृषि और सम्बंधित क्षेत्र
24 पर्यटन
28 बुनयादी ढांचा
34 उद्योग, वाणिज्य व अर्थव्यवस्था
36 शिक्षा
41 स्वास्थ्य
45 महिला एवं बाल विकास
49 सामाजिक कल्याण
53 पूर्व सैनिक
58 युवा विकास
62 भाषा, धर्म व संस्कृति
66 कानून एवं व्यवस्था
70 सरकारी कर्मचारी कल्याण
71 पर्यावरण

माननीय मुख्यमंत्री जी का सन्देश

प्रिय हिमाचल वासियों,

आपको मेरा प्रणाम!

ये हम सभी का सौभाग्य है कि भारत की गौरवशाली धरती पर जिस प्रदेश की भूमि को ईश्वर का दैवीय आशीर्वाद प्राप्त हुआ है, जिसकी पहचान देवभूमि के रूप में भी है, जो पुण्यदायी भूमि अपने प्राकृतिक सौंदर्य और संसाधनों के साथ साथ धर्म, आस्था और सांस्कृतिक विचारों का भी आध्यात्मिक केंद्र है, हम सभी के लिए गर्व की बात है कि यह देवभूमि, वीरभूमि हमारी जन्मस्थली है।

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी का हिमाचल से विशेष लगाव रहा है और उन्होंने हिमाचल के विकास में केंद्र से हर संभव मदद दिलाने का भरसक प्रयास किया है और हिमाचल को बहुत कुछ दिया भी है। पिछले 5 वर्षों में हमारी सरकार ने हिमाचल के विकास और जन कल्याण के लिए पूरे समर्पण और सेवा भाव से कार्य किया है। प्रधानमंत्री मोदी जी के मार्गदर्शन और प्रदेश सरकार के प्रयासों से आज प्रदेश विकास के शिखर की ओर बढ़ रहा है। आगे भी हिमाचल विकास के नए आयाम स्थापित करता रहे, जन-जन के जीवन की समृद्धि सुनिश्चित हो, हर ग़रीब का कल्याण हो, इसी लक्ष्य और संकल्प को हम आप के समक्ष इस संकल्प पत्र के रूप में प्रस्तुत कर रहे हैं। मैं आपको विश्वास दिलाता हूँ कि इस संकल्प पत्र के हर संकल्प को हम सिद्ध कर के दिखाएँगे।

हिमाचल के प्रिय लोगों, मैं आपसे एक बार फिर भाजपा को अपना आशीर्वाद देने का अनुरोध करता हूं। हर पांच साल में सरकार बदलने का रिवाज बदल कर, जो राज्य में स्थिर और कुशल शासन में बाधा उत्पन्न करता है। मुझे विश्वास है कि लोगों ने हमारे प्रयासों को पहचाना है और हमें उनकी सेवा करने का एक और मौका देंगे।

भारत माता की जय

जय हिमाचल

जयराम ठाकुर

मुख्यमंत्री, हिमाचल प्रदेश

माननीय प्रदेश अध्यक्ष जी का संदेश

देवभूमि हिमाचल के सम्मानित बहनों व भाइयों !

हमारा हिमाचल अपनी स्थापना की 75 वीं वर्षगाँठ मना रहा है। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के मार्गदर्शन और श्री जयराम ठाकुर जी के नेतृत्व में प्रदेश की डबल इंजन वाली भाजपा सरकार, हिमाचल को प्रगति पथ पर तेजी से आगे बढ़ा रही है।

हमारा यह संकल्प पत्र आपके समक्ष प्रस्तुत करते हुए मुझे इसलिए प्रसन्नता हो रही है क्योंकि इसमें हिमाचल के लिए जो भाजपा के संकल्प हैं, उनका आधार प्रदेश के कोने कोने के जन-जन एवं अनेक बुद्धिजीवियों के सुझाव हैं।

हम सभी हिमाचल वासियों की ये ज़िम्मेदारी बनती है कि प्रदेश में डबल इंजन की सरकार द्वारा किये जा रहे विकास क्रम को सतत आगे बढ़ाएं। विकास की गति को बनाये रखने के लिए आवश्यक है कि इन विधानसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी की पुनः ऐतिहासिक विजय हो, जिससे केंद्र व प्रदेश की डबल इंजन सरकार हिमाचल को देश का समृद्ध, सुदृढ़ व सुशासित राज्य बनाने की दिशा में और मज़बूती से आगे बढ़ती रहे।

धन्यवाद !

सुरेश कश्यप

अध्यक्ष, भारतीय जनता पार्टी, हिमाचल प्रदेश

Foreword

मेरे आदरणीय हिमाचल वासियों,

आज़ादी के अमृतकाल के बीच में प्रदेशवासियों के अनुकूल, जन-जन के विश्वास और उम्मीदों को समर्पित, भारतीय जनता पार्टी के इस संकल्प-पत्र के माध्यम से हम एक विकसित, समृद्ध, आत्मनिर्भर हिमाचल प्रदेश के निर्माण का संकल्प पुनः दोहरा रहे हैं। हमारे लिए बड़े गर्व और आत्मसंतोष की बात ये है कि यह संकल्प पत्र हिमाचल के प्रत्येक वर्ग का प्रतिनिधित्व कर रहा है, क्योंकि इस संकल्प पत्र की रचना का आधार हिमाचल के कोने कोने से प्राप्त हुए जन-जन के सुझाव हैं।

2022 का यह विधानसभा चुनाव हम सबके लिए हिमाचल के विकास में अपना अमूल्य योगदान देने का अवसर है। पिछले 5 वर्षों में आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के मार्गदर्शन एवं लोकप्रिय मुख्यमंत्री श्री जयराम ठाकुर जी के नेतृत्व में डबल इंजन सरकार द्वारा किए गए अभूतपूर्व विकास कार्यों को हमें रुकने नहीं देना है, बल्कि इन्हें और तेज गति प्रदान करनी है।

मैं आपको विश्वास दिलाता हूँ कि यह संकल्प पत्र औपचारिक चुनावी घोषणाओं का दस्तावेज नहीं, बल्कि आपके विश्वास और भारतीय जनता पार्टी के संकल्प का साक्षी पत्र है। आज आपके पास राज्य में फिर एक बार सुदृढ़, पारदर्शी और जवाबदेह सरकार चुनने और रिवाज को बदलने का स्वर्णिम अवसर है।

प्रो.(डॉ.) सिकंदर कुमार

अध्यक्ष, संकल्प पत्र समिति

सांसद, राज्यसभा

सुशासन

A. हिमाचल प्रदेश का संरक्षण

1. हम हिमाचल प्रदेश में समान नागरिक संहिता लागू करेंगे।
2. हम कानून के अनुसार राज्य में वक्फ संपत्तियों का सर्वेक्षण करेंगे और ऐसी संपत्तियों के अवैध उपयोग की जांच के लिए एक न्यायिक आयोग की स्थापना करेंगे।
3. हम हर जिले में एक अधिकार प्राप्त समिति का गठन करेंगे जो मिशन मोड में अवैध भूमि हथियाने से संबंधित ऐसे मुद्दों की जांच और समाधान करेगी जिससे हिमाचल प्रदेश में जनसांख्यिकीय परिवर्तन हो सकता है और आवश्यकतानुसार अवैध घुसपैठियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जा सकती है।

B. पारदर्शी और कुशल प्रशासन

1. आधारभूत संरचना परियोजनाओं के त्वरित क्रियान्वयन के लिए हम मुख्यमंत्री कार्यालय के अंतर्गत **"हिमाचल इंफ्रास्ट्रक्चर वार रूम"** स्थापित करेंगे।
2. हम **प्रदेश के राजस्व में सुधार और निगरानी** एवं राज्य में चल रहे **विभिन्न कार्यक्रमों के आवंटन और व्यय में सुधार** के लिए मुख्यमंत्री की देखरेख में एक **"राजकोषीय उत्तरदायित्व समिति"** का गठन करेंगे।
3. हम हिमाचल प्रदेश की सबसे महत्वपूर्ण विकासात्मक चुनौतियों को हल करने के लिए **102 युवा, उत्साही पेशेवरों** के लिए एक मंच प्रदान करके राज्य में **"मुख्यमंत्री फेलोशिप कार्यक्रम"** की शुरुआत करेंगे, जिनको **50,000 रुपये / माह** प्रदान किये जाएंगे।

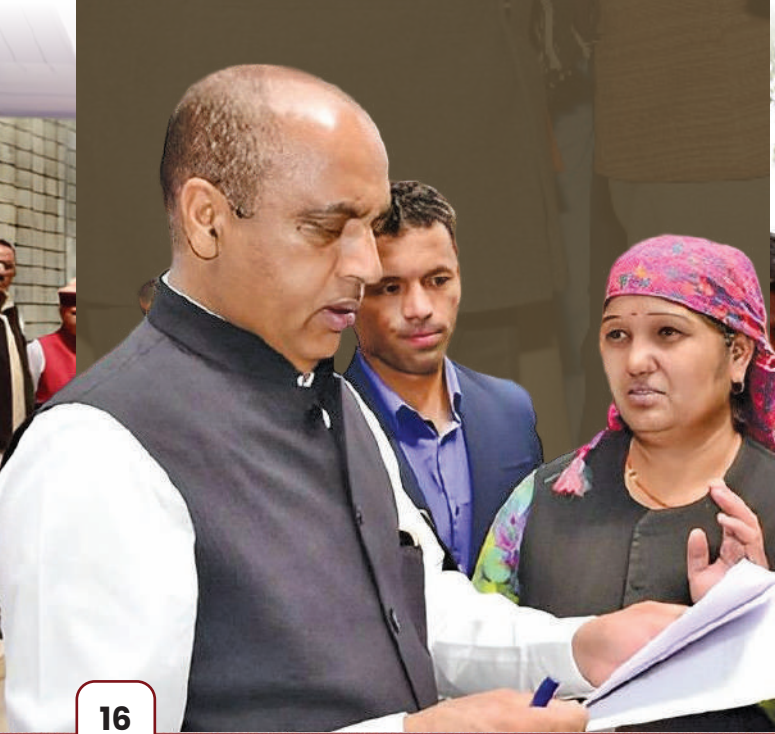

4. हम **दैनिक घोषणाओं और संबंधित शासन अधिसूचनाओं के प्रसार** के लिए **मुख्यमंत्री कार्यालय** हेतु **समर्पित पोर्टल** स्थापित करेंगे।

5. हम मौजूदा **लोक मित्र केंद्रों की सेवा सीमाओं में सुधार** करेंगे और **शिकायतों के निवारण** के लिए और सरकार के अन्य **आवश्यक सेवाओं जैसे पहचान पत्र, अन्य प्रमाण पत्र** आदि **जारी** करने के **आसान वितरण** के लिए **"ई-समाधान"** नामक एक नया मोबाइल एप्लिकेशन लॉन्च करेंगे।

6. हम **जन प्रतिनिधियों तक पहुंच में सुधार** करने के लिए **"विधायक हेल्पलाइन"** शुरू करेंगे, जिसे मौजूदा सीएम हेल्पलाइन की तरह काम करने के लिए डिज़ाइन किया जाएगा।

7. हम घोषित किए गए **वादों की प्रगति पर नज़र रखने** और उन **वादों के समय पर कार्यान्वयन** को सुनिश्चित करने के लिए **संकल्प पत्र कार्यान्वयन समिति** का गठन करेंगे।

C. सुशासन

1. हम **जनमंच का विस्तार** करेंगे ताकि आम लोगों की **समस्याओं** का निवारण **मुख्यमंत्री कार्यालय और मंत्रिपरिषद को शामिल करके** किया जा सके।

2. हम **डिजिलॉकर के व्यापक उपयोग** के माध्यम से **सभी सरकारी रिकॉर्ड जैसे जन्म और मृत्यु प्रमाण पत्र, शैक्षिक प्रमाण पत्र, ड्राइविंग लाइसेंस आदि का डिजिटलीकरण** करेंगे।

3. हम यह सुनिश्चित करेंगे कि **हर सरकारी कार्यालय** में **सफाई** के लिए **सबसे वरिष्ठ अधिकारी** को जिम्मेदार बनाया जाए।

D. जन कल्याणकारी परियोजनाएं

1. हम **मातृ पितृ वंदना योजना** शुरू करेंगे जिसके **सभी सरकारी कर्मचारियों** को वर्ष में एक बार अपने माता-पिता से मिलने के लिए एक **विशेष अवकाश** स्वीकृत किया जाएगा।

2. हम उन **पंचायतों को पुरस्कृत** करेंगे जिन्होंने **कचरा प्रबंधन, स्वच्छता और स्वास्थ्य** के मामले में अनुकरणीय प्रदर्शन किया है।

3. हम ई-गवर्नेंस के माध्यम से सेवाएं प्रदान करने में सर्वोत्तम प्रथाओं को विकसित करने के लिए **आईआईटी मंडी** और **एनआईटी हमीरपुर** के साथ साझेदारी में **डिजिटल गवर्नेंस** में **प्रौद्योगिकी अनुसंधान केंद्र** का शुभारंभ करेंगे।

कृषि और सम्बंधित क्षेत्र

A. कृषक कल्याण

1. हम **मुख्यमंत्री अन्नदाता सम्मान निधि** की शुरुआत करेंगे जिसके अंतर्गत **छोटे किसानों को सालाना 3,000 रुपये** की राशि दी जाएगी, जो पी.एम. किसान सम्मान निधि के अंतर्गत दिए जा रहे 6,000 रुपये के **अतिरिक्त** होगी, ताकि डबल इंजन सरकार **प्रत्येक अन्नदाता को प्रति वर्ष कुल 9,000 रुपये** के साथ सम्मानित करे।
2. हम **"पर ड्रॉप मोर क्रॉप"** योजना के अंतर्गत **ड्रिप और स्प्रिंकलर सिंचाई तकनीक के उपयोग का विस्तार** करने के लिए अगले 10 वर्षों में **8,000 करोड़ रुपये का निवेश** करेंगे।

3. हम **खेती के लिए उपलब्ध नई और उन्नत तकनीकों के उपयोग को बढ़ावा** देने के लिए **हर जिले में उन्नत कृषि तकनीकी प्रशिक्षण मेला** आयोजित करेंगे।

B. बागवानी और फूलों की खेती

1. हम यह सुनिश्चित करेंगे कि सेब पैकेजिंग पर कोई अतिरिक्त जीएसटी लागत राज्य सरकार द्वारा वहन की जाएगी ताकि **सेब किसान पैकेजिंग सामग्री पर 12% से अधिक जीएसटी दर का भुगतान न करें**। हम **सेब पैकेजिंग मानक** उद्देश्यों के अंतर्गत वर्तमान में उपयोग किए जाने वाले टेलीस्कोपिक कार्टन के स्थान पर **यूनिवर्सल कार्टन को अपनाएंगे।**
2. हम हिमाचल प्रदेश में **सेब, आम और खट्टे फल जैसे किन्नू, माल्टा, संतरा और गलगल की खरीद** के लिए एक **बाजार हस्तक्षेप योजना (एम.आई.एस.) शुरू करेंगे** ताकि राज्य भर में फलों का लाभदायक मूल्य सुनिश्चित किया जा सके और फल उत्पादकों को खुले बाजार में अपना उत्पाद बेचने के लिए निम्नलिखित तरीकों से मदद करेगा:
   - किसानों को खुदरा व्यापारियों से जोड़ने के लिए **सिंगल विंडो इंटरफेस** बनाकर, और
   - **फल** उत्पादों के निर्माण हेतु **न बिके हुऐ फल खरीदकर**।
3. हम निम्नलिखित तरीकों से हिमाचल प्रदेश में **बागवानी, औषधीय और सुगंधित पौधों की खेती को बढ़ावा** देंगे:

- **कुल्लू, चंबा, ऊना, हमीरपुर और बिलासपुर में** कीवी, अखरोट, मौंक फल, एवोकैडो, ड्रैगन फ्रूट और सेब पर विशेष ध्यान देने हेतु **5 फल प्रसंस्करण केंद्र** स्थापित करेंगे।
- **कुल्लू और चंबा में 2 अरोमा और हर्बल पार्कों की स्थापना** करना, जिसमें गुल मेंहदी, अजवायन, दालचीनी, हींग और केसर पर विशेष जोर दिया जायेगा।

4. हम राज्य के कृषि उत्पादों को बढ़ावा देने हेतु उन **किसानों को 30% सब्सिडी** प्रदान करेंगे जो **हॉर्टिकल्चरल प्रोड्यूस मार्केटिंग एंड प्रोसेसिंग कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एच.पी.एम.सी.) आउटलेट की फ्रैंचाइज़ी** परिवहन केंद्र जैसे अंतर-राज्यीय बस टर्मिनल और बस डिपो में **लेने के इच्छुक** हैं।

5. हम **बागवानी उत्पादों को ले जाने वाले वाहनों** को एपीएमसी, परवाणू बैरियर और आबकारी विभाग द्वारा लगाए जाने वाले **बैरियर शुल्क से छूट** देकर राज्य भर में सेब की बाधा-मुक्त आवाजाही सुनिश्चित करेंगे।

6. हम हिमाचल प्रदेश में चाय की खेती को बढ़ावा देने के लिए :

- **कांगड़ा घाटी में नए जैविक चाय बागानों को बढ़ावा** देकर प्रदेश में **जैविक चाय की खेती का विस्तार** कार्य करेंगे।
- **मिनी चाय कारखानों की स्थापना हेतु** चाय किसानों को **वित्तीय सहायता** प्रदान करेंगे।

C. कृषि इन्फ्रास्ट्रक्चर

1. हम राज्य के **जैविक उत्पादों को व्यापक रूप से बढ़ावा** देकर **राज्य में प्राकृतिक और रासायनिक मुक्त खेती** को बढ़ावा देने के लिए **मिशन मोड** पर काम करेंगे और **किसानों को स्वदेशी बीज, बायोस्टिमुलेंट और वानस्पतिक अर्क (कीट प्रबंधन के लिए) निःशुल्क उपलब्ध** कराकर **शून्य-बजट प्राकृतिक खेती** को प्रोत्साहित करेंगे।

2. हम मुख्य रूप से बागवानी फसलों के लिए **कुल्लू, चंबा और किन्नौर जिलों में 1,000 मीट्रिक टन के 9 नए शीत भंडारण सुविधाएं** स्थापित करेंगे।

3. हम **हिमाचल प्रदेश के सभी प्रखंडों में कृषि उपकरण लीजिंग सेंटर** स्थापित करेंगे, और **सीमांत और छोटे किसानों को रियायती कृषि उपकरण** भी उपलब्ध कराएँगे।

4. हम **प्रत्येक नए किसान उत्पादक संगठन (एफ.पी.ओ.) के लिए 25 लाख रुपये का अनुदान** प्रदान करेंगे और **सार्वजनिक खरीद में एफ.पी.ओ. के लिए 20% कोटा** निर्धारित करेंगे।

5. हम **गैर-किसान हिमाचलियों के**, अगर वे 1972 से पहले हिमाचल में रहते हैं, **भूमि खरीद अधिकारों को बहाल** करेंगे, जिन्हें **भूमि सुधार और मुजरा अधिनियम** की **धारा 118** के अंतर्गत संरक्षित नहीं किया गया था।

6. हम सुअर पालन, बकरी पालन और पशुपालन गतिविधियों के लिए भूमिहीन मजदूरों को **50,000 रुपये सहायता प्रदान** करेंगे।

7. हम अपने मेहनती किसानों को **खेती के लिए आधुनिक मशीनरी** अपनाने हेतु प्रोत्साहन स्वरूप **डीजल सब्सिडी के रूप में प्रति एकड़ 250 रुपये की सब्सिडी** देंगे।

8. हम राज्य के किसानों की समस्याओं के समाधान हेतु **किसान कल्याण बोर्ड की स्थापना** करेंगे।

9. हम राज्य प्रायोजित सुधार योजना के माध्यम से **राज्य की पारंपरिक गुरुत्वाकर्षण प्रवाह हाइड्रोलिक्स (कुहल), के निर्माण और रखरखाव हेतु प्रति जिले 10 करोड़ रुपये की लागत से इन संरचनाओं प्रणाली को फिर से जीवंत करेंगे**।

10. हम **ग्राम पंचायतों को आपदा आकलन का आधार स्तर बनाकर प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना का त्वरित क्रियान्वयन सुनिश्चित** करेंगे।

11. हम राज्य भर में **10 नई मृदा परीक्षण प्रयोगशालाएं** विकसित करेंगे।

12. हम **एक मोबाइल एप्लिकेशन और कॉल सेंटर सेवा लॉन्च** करेंगे जो **किसानों को मंडियों, कोल्ड स्टोरेज, पशु चिकित्सा अस्पतालों, कृषि प्रयोगशालाओं, महत्वपूर्ण बीमारियों और उनके समाधान आदि के बारे में जानकारी** प्रसारित करेगा।

13. हम यह सुनिश्चित करेंगे कि ग्रामीण क्षेत्रों में **मानव-पशु संघर्ष के कारण फसल की हानि को कम करने के लिए आवश्यक कदम** उठाए जाएं।

14. हम पालमपुर में चाय बागानों को बढ़ावा देने के लिए एक **चाय उत्पादन अनुसंधान केंद्र** की स्थापना करेंगे और चाय की उत्पादन **गुणवत्ता, विपणन और पैकेजिंग बढ़ाने** के लिए अभिनव समाधान लाकर **चाय किसानों की आय में वृद्धि** करेंगे।

15. हम फार्मा और खाद्य कंपनियों के सहयोग से राज्य में एक अतिरिक्त सार्वजनिक **खाद्य एवं औषधि परीक्षण प्रयोगशाला स्थापित** करेंगे।

16. हम कृषि मजदूरों के लिए **मुख्यमंत्री किसान और खेतिहार मजदूर जीवन सुरक्षा योजना** के अंतर्गत **मृत्यु, स्थायी विकलांगता या आंशिक हानि की स्थिति में प्रदान किए जाने वाले क्षतिपूर्ति राशि में वृद्धि** करेंगे।

17. हम **हिमाचल प्रदेश बागवानी बोर्ड की स्थापना** करेंगे, जो **वाणिज्यिक बागवानी, कटाई के बाद प्रसंस्करण और दीर्घकालिक भंडारण के लिए कोल्ड चेन इंफ्रास्ट्रक्चर** हेतु **उत्पादन क्लस्टर विकसित करेगा।**

18. हम हिमाचल प्रदेश में **ज्वार, बाजरा, रागी और कोदरा जैसे मोटे अनाज की खेती, प्रसंस्करण और विपणन के लिए एक व्यापक नीति** तैयार करेंगे।

19. हम **एरोपोनिक और हाइड्रोपोनिक पॉलीहाउस के माध्यम से खेती को बढ़ावा** देने के लिए सब्सिडी प्रदान करेंगे।

20. हम यह सुनिश्चित करेंगे कि हिमाचल प्रदेश कृषि एवं किसान कल्याण विभाग द्वारा विभिन्न फसलों के लिए **उन्नत बीजों का उत्पादन शुरू कर, किसानों को उपलब्ध** कराए जाएं।

D. पशुपालन

1. हम उत्तम पशु पुरस्कार योजना के अंतर्गत प्रति दिन औसतन 15 लीटर दुग्ध देने वाले प्रत्येक स्वदेशी भारतीय मवेशी को दिए जाने वाले वित्तीय प्रोत्साहन को 2,000 रुपये से बढ़ाकर 6,000 रुपये प्रति वर्ष करेंगे।

2. हम किसी आपदा या बीमारी के कारण किसी जानवर की मौत से हानि की भरपाई हेतु पशुधन बीमा योजना शुरू करेंगे।

3. हम हिमाचल प्रदेश को डेयरी और पोल्ट्री उत्पादन में एक आत्मनिर्भर राज्य बनाएंगे।

4. हम राज्य के प्रत्येक पशुपालन अनुमंडल में मोबाइल वेटरनरी यूनिट (एम.वी.यू.) सेवाएँ शुरू करेंगे ताकि किसानों को उनके घर पर पशु चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराई जा सकें।

5. हम हिमाचल प्रदेश की हिमाचली पहाड़ी मवेशियों और देसी गाय की नस्लों को बढ़ावा देने के लिए विशेष पशु प्रजनन केंद्र स्थापित करेंगे।

6. हम यह सुनिश्चित करेंगे कि राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन की पशु सखियों के माध्यम से सभी मवेशियों और छोटे पशुओं का पूरे वर्ष उचित टीकाकरण किया जाए।

7. हम हिमाचल प्रदेश में रेडियो-फ्रीक्वेंसी पहचान टैग को निःशुल्क उपलब्ध करा कर 100% घरेलू गायों को टैग करेंगे।

8. हम 30,000 से अधिक अनाथ पशुओं के कल्याण के लिए सिरमौर, ऊना और सोलन जिलों में राष्ट्रीय कामधेनु आयोग योजना के अंतर्गत तीन गाय अभयारण्य शुरू करेंगे और प्रत्येक गाय को 30 रुपये प्रति दिन की वित्तीय सहायता देंगे।

9. हम मधु विकास से किसान उत्थान अभियान शुरू करंगे, जिसके माध्यम से हम प्रदेश में शहद का उत्पादन दोगुना करेंगे।

10. हम लोगों को प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के अंतर्गत राज्य में मत्स्य पालन इकाइयाँ स्थापित करने के लिए निम्नलिखित तरीकों से प्रोत्साहित करेंगे:

    - राज्य में ट्राउट मछली उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए ठंडे नदी क्षेत्रों में रेसवे का निर्माण किया जाएगा।
    - पूरे राज्य में मछली किसान उत्पादक संगठन बनाए जाएंगे और हिमालयन मछली की ब्रांडिंग की जाएगी।
    - भूमिहीन गरीब किसानों को घर बनाने के लिए उपयुक्त स्थान पर जमीन दी जाएगी और मछली के उतरने वाले स्थलों पर मछुआरों के बैठने, पानी और शौचालय आदि की व्यवस्था की जाएगी।

E. बाजार पहुँच, आपूर्ति श्रृंखला और निर्यात

1. हम अमूल की तर्ज पर सहकारी समितियों के निर्माण को प्रोत्साहित करेंगे और इसके साथ ही एक कृषि निर्यात नीति भी तैयार करेंगे जिसका उद्देश्य हिमाचल प्रदेश को एक बागवानी और डेयरी हब बनाना होगा।
   - हम हिमाचल प्रदेश के प्रत्येक गांव में एक संग्रह केंद्र के साथ प्रत्येक ब्लॉक में डेयरी सहकारी समितियों की स्थापना के लिए 500 करोड़ रुपये की कोष निधि का गठन करेंगे।
   - हम राज्य भर में 500 करोड़ रुपये के कोष के साथ पर्याप्त संख्या में बागवानी सहकारी समितियों की स्थापना के लिए सभी आवश्यक उपाय करेंगे।
2. हम किसानो की मंडी मिशन शुरू करेंगे, जिसके अंतर्गत हिमाचल प्रदेश के सभी ब्लॉकों में पर्याप्त संग्रह, भंडारण और परिवहन सुविधाओं के साथ स्थानीय साप्ताहिक किसान बाजार स्थापित किए जाएंगे।
3. हम कृषि और संबंधित उत्पादों के निर्यात को सुविधाजनक बनाने तथा उसमें बढ़ोत्तरी करने के लिए एक समर्पित कृषि निर्यात प्रकोष्ठ की स्थापना करेंगे।
4. हम हिमाचल प्रदेश में कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (APEDA) का राज्य स्तरीय कार्यालय स्थापित करेंगे।

पर्यटन

A. पर्यटन विविधीकरण

1. हम **हिम-तीर्थ नामक एक पर्यटक सर्किट की शुरुआत करेंगे, जो हिमाचल प्रदेश के सभी महत्वपूर्ण मंदिरों जैसे कि पांच शक्ति पीठ, को नई दिल्ली, जयपुर, चंडीगढ़, मेरठ और मथुरा जैसे प्रमुख शहरों से शुरू होने वाली 45 विशेष बसों के बेड़े के साथ जोड़ेगा।**

2. हम राज्य में पर्यटन विकास को बढ़ावा देने के लिए **हिमाचल प्रदेश में पर्यटन और आतिथ्य क्षेत्र को उद्योग का दर्जा** देंगे।

3. हम राज्य में पर्यटन क्षेत्र को पुनर्जीवित करने के लिए **Mesmerising Himachal** के नाम से **100 करोड़ रुपये का बहु-आयामी अंतर्राष्ट्रीय विपणन अभियान** शुरू करेंगे।

4. हम **लाहौल और स्पीति को एस्ट्रो टूरिज्म हब** के रूप में बढ़ावा देंगे और **जिले को स्वीडिश लैपलैंड में एबिस्को स्काई स्टेशन, यू.के. में ब्रेकन बीकन और फ्रांस में पिक डू मिडी की तर्ज पर खगोलीय दृश्यों में रुचि रखने वाले पर्यटकों के लिए एक प्रमुख आकर्षण के रूप में विकसित** करेंगे।

5. हम **हरिद्वार की तर्ज पर चंद्रभागा संगम में घाटों का निर्माण** करेंगे।

6. हम **राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों के लिए कुल्लू, काँगड़ा एवं शिमला में संस्थानों को स्थापित करेंगे** जहां उन्हें विशेष रूप से **हिमाचल प्रदेश की संस्कृति, विरासत, कला, संगीत और नृत्य में अल्पावधि कक्षाओं के लिए नामांकित किया जा सकेगा**।

7. हम **शीर्ष कंटेंट निर्माताओं को अस्पष्टीकृत पर्यटन स्थलों के बारे में कंटेंट बनाने** के लिए **प्रोत्साहित करने के लिए हिमाचल भ्रमण नामक एक ऑनलाइन पहल** की शुरुआत करेंगे।

B. होमस्टे एवं वर्केशन

1. हम होमस्टे व्यवसाय को अधिकतम 5 लाख रुपये तक पूंजीगत व्यय का 25% प्रदान कर तथा ग्रामीण क्षेत्रों में 9 कमरों तक के होमस्टे पर जी.एस.टी. की भरपाई कर, हिमाचल प्रदेश के लोगों के बीच उद्यमशीलता के अवसर के रूप में होमस्टे का विस्तार करेंगे।

2. हम 'देखो हमारा हिमाचल' योजना शुरू करेंगे जिसके माध्यम से 10 दिनों से अधिक समय तक ठहरने वाले पर्यटकों को सुस्वगतम हिमाचल पोर्टल के माध्यम से बुकिंग करने पर होटल में ठहरने पर 20-50% की छूट दी जाएगी।

C. पर्यटन अवसंरचना

1. हम राज्य में **पर्यटकों की संख्या को दोगुना** करने हेतु **500 करोड़ रुपये आवंटित करेंगे** जिसका उपयोग निम्नलिखित प्रणाली में किया जाएगा:
   - **50 करोड़ रुपये** प्रति गंतव्य की लागत से **5 पर्यटन स्थलों, अर्थात चितकुल (किन्नौर), रेवलसर (मंडी), ताबो (लाहौल और स्पीति), कसौली (सोलन) और जिभी (कुल्लू)** में **महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे** की स्थापना।
   - **ईको टूरिज्म प्रमोशन बोर्ड,** के माध्यम से पूरे हिमाचल प्रदेश के **11 दर्शनीय स्थलों को पर्यावरण केंद्रित पर्यटन (ईको-टूरिज्म) हॉटस्पॉट** में विकसित करेंगे। यह बोर्ड निजी उद्यमियों के साथ मिलकर करेगा ।
   - **निजी निवेशकों की सहयता** से राज्य भर में **17 चयनित स्थानों को साहसिक पर्यटन** के लिए हॉटस्पॉट में **विकसित** करेंगे।
   - **इन 33 स्थानों पर होमस्टे और होटल स्थापित** करने के इच्छुक हिमाचल प्रदेश के लोगों को 5 करोड़ रुपये वित्तीय सहायता देने हेतु एक **"क्रेडिट गारंटी ट्रस्ट"** का गठन किया जाएगा ।
2. हम **हिमाचल प्रदेश में 1000 स्थानीय निवासियो को एक नवीन योजना "अपना हिमाचल दिखाओ" के अंतर्गत प्रशिक्षित करेंगे,** जिसमें उन्हें **पर्यटक गाइड के रूप में नियुक्त** करने के लिए **एक कौशल उन्नयन कार्यक्रम** प्रदान किया जाएगा।
3. हम हिमाचल प्रदेश के **प्रत्येक जिले में दो थ्री-स्टार होटल स्थापित** करेंगे, जो **अटल पर्यटन और यात्रा प्रबंधन केंद्र** के अंतर्गत पर्यटन उद्योग के लिए **संलग्न प्रशिक्षण सुविधाओं से लैस होंगे,** जिसके माध्यम से पेशेवर स्नातक और स्नातकोत्तर पर्यटन से संबंधित अध्ययन में पाठ्यक्रम प्रदान किए जाएंगे।
4. हम **सुस्वागतम हिमाचल प्रदेश नाम से सिंगल विंडो टूरिस्ट पोर्टल बनाएंगे** जो पर्यटकों को हिमाचल प्रदेश के भीतर **होटल, होमस्टे, टूर पैकेज, बसों, टैक्सियों आदि की बुकिंग में मदद** करेगा।

5. हम **फार्म स्टे** नाम से **एक नवीन योजना शुरू कर सेब के बागों में फार्म स्टे को प्रोत्साहित करने पर विशेष ध्यान** देने के साथ किसानों को होमस्टे बनाने के लिए विशेष प्रोत्साहन देंगे।

6. हम **हेलीकॉप्टर टैक्सी योजना के अंतर्गत मणिमहेश की तर्ज पर किन्नौर, लाहौल और काजा को जोड़ने वाली हेली टैक्सी सेवा स्थापित** करने के लिए निजी कंपनियों को आमंत्रित करेंगे।

7. हम **नारी शक्ति कैंटीन स्थापित** करेंगे, जो **महिला स्वयं सहायता समूहों द्वारा चलाई** जाएंगी और विशेष हिमाचली व्यंजन परोसेंगी। **अधिकतम 10 लाख रुपये तक के प्रारंभिक निवेश की लागत पर 50% सब्सिडी** प्रदान की जाएगी।

8. हम **प्रदेश में उच्च स्तरीय बैठकों, प्रदर्शनों व सम्मेलनों (एम्.आई.सी.ई. पर्यटन)** के आयोजन हेतु **एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन केंद्र (आई.सी.सी.)** का निर्माण करेंगे।

9. हम **20 नए वेलनेस और योग केंद्र स्थापित** करेंगे, जिसके लिए प्रत्येक को **25 लाख रुपये** तक की राशि प्रदान की जाएगी साथ ही स्थानीय **कुशल योग एवं आयुर्वेद विशेषज्ञों को वेलनेस सेवाएं प्रदान करने के लिए नियोजित** किया जाएगा।

10. हम **पर्यटन स्थलों की सफाई और सौंदर्यीकरण पर जोर** देंगे और यात्रियों की सुविधा के लिए **नल, रेन शेल्टर, पार्क, स्वच्छ जैव-शौचालय** आदि बनाए जाएंगे।

11. हम **मुद्रा योजना के लिए व्यापक जागरूकता और वितरण शिविर** चलाएंगे, जिसके माध्यम से **युवा हिमाचली उद्यमियों को पर्यटन गतिविधियों के लिए पट्टे पर भूमि के सरल आवंटन** का अवसर मिलेगा।

इंफ्रास्ट्रक्चर

A. सड़क इंफ्रास्ट्रक्चर

1. हम अगले 5 वर्षों में राज्य के सभी गांवों को प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के अंतर्गत सड़कों से जोड़ेंगे।

2. हम 2027 तक राज्य में प्रमुख सड़क बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को पूरा करने में तेजी लाएंगे।

क्रं सं	नाम	विवरण	लागत (रुपए करोड़)
1	शिमला बाईपास [कैथलीघाट (कि.मी. 129.050)] से ढल्ली [कि.मी. 156.507]	27.457 कि.मी.	1,956.98
2	नेरचौक [कि.मी. 190.000] से पंडोह, पंडोह बाईपास सहित [कि.मी. 221.305]	31.305 कि.मी.	1,591.48
3	ज्वालामुखी बाईपास से एनएच 88 के कांगड़ा बाईपास तक एनएच 154 के साथ चौराहे तक मौजूदा 2 लेन से 4 लेन करना एवं इसका पुनर्वास और उन्नयन	36.407 कि.मी.	1,419.5
4	NH-21 . के तकोली [कि.मी. 242.000] से कुल्लू [कि.मी. 272,000] तक	30 कि.मी.	1,309.73
5	NH-22 के परवाणू [किमी 67.00] से सोलन [किमी 106.14]	39.14 कि.मी.	1,278.28

3. हम **हिमाचल सड़क परिवहन निगम (एच.आर.टी.सी.) के अंतर्गत बसों के बेड़े को 1,500 नई, उच्च गुणवत्ता वाली बसों के साथ अपग्रेड** करेंगे। इसके अतिरिक्त, भारत सरकार की फास्टर एडॉप्शन एंड मैन्युफैक्चरिंग ऑफ (हाइब्रिड एंड) इलेक्ट्रिक व्हीकल **(FAME India)** योजना के अंतर्गत एच.आर.टी.सी. के बेड़े में चरणबद्ध तरीके से **500 इलेक्ट्रिक बसें जोड़ी** जाएंगी।

4. हम **ट्रक और टैक्सी ड्राइवरों को 10 लाख रुपये तक के कवरेज के साथ दुर्घटना बीमा** प्रदान करेंगे, जो राज्य में आवश्यक आपूर्ति श्रृंखला और पर्यटकों की गतिशीलता को बनाए रखने में प्रमुख भूमिका निभाते हैं।

5. हम **राज्य के शहरी क्षेत्रों की सभी सड़कों को चरणबद्ध तरीके से कंक्रीट सड़कों में अपग्रेड** करेंगे।

6. हम **"मिशन शैलरक्षा"** के अंतर्गत यह सुनिश्चित करेंगे कि **भूस्खलन और अन्य प्राकृतिक आपदाओं के कारण हिमाचल प्रदेश के लोगों के जीवन, आजीविका और संपत्ति के नुकसान का न्यूनीकरण** करने हेतु आवश्यक कदम उठाने के साथ साथ **सड़क किनारो की ढलानों का स्थिरीकरण** भी किया जाए।

7. **सार्वजनिक परिवहन सेवाओं तक आसान पहुँच सुनिश्चित** करने के लिए, **हम हर गाँव में बस स्टैंड / रेन शेल्टर विकसित करेंगे, जहाँ से राष्ट्रीय राजमार्ग, राज्य राजमार्ग या ग्रामीण सड़क होकर जाती** है।

8. हिमाचल प्रदेश राज्य के भीतर इलेक्ट्रिक वाहनों की आवाजाही को सक्षम करने के लिए हम **इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग स्टेशन और अन्य आवश्यक बुनियादी ढांचे** की स्थापना करेंगे, जिससे **हिमाचल प्रदेश के युवाओं के लिए रोजगार के कई अवसर** उत्पन होंगे।

B. रेलवे इंफ्रास्ट्रक्चर

1. हम यह सुनिश्चित करेंगे कि राज्य की जिन रेलवे परियोजनाओं की शुरुआत की गई है, उन्हें तेजी से ट्रैक कर समयबद्ध तरीके से पूरा किया जाए।

क्रं सं	नाम	विवरण	लागत (रुपए करोड़)
1	भानुपाली-बिलासपुर-बेरी नई रेल लाइन परियोजना	63.1 कि.मी.	6,753.42
2	नंगल बांध-तलवाड़ा, मुकेरियां-तलवाड़ा रेलवे लाइन परियोजना	84 कि.मी. (23 कि.मी. शेष)	2,017.96
3	चंडीगढ़-बद्दी रेलवे नई लाइन परियोजना	27.95 कि.मी.	1,540.13

C. हवाई इंफ्रास्ट्रक्चर

1. हम यह सुनिश्चित करेंगे कि कुल्लू और कांगड़ा में वर्तमान हवाई अड्डों का नवीनीकरण किया जाए और अतिरिक्त उड़ानों के संचालन को सक्षम बनाने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएं।

2. हम यह सुनिश्चित करने के लिए काम करेंगे कि लाहौल और स्पीति, कांगड़ा, चंबा और मंडी को चरणबद्ध तरीके से नियमित हेलीकॉप्टर टैक्सी सेवाओं के माध्यम से शिमला और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र से जोड़ा जाए।

D. रोपवे

1. हम **पर्वत माला परियोजना के अंतर्गत राज्य में सात रोपवे परिवहन परियोजनाओं में तेजी लाएंगे ताकि पहाड़ी क्षेत्रों में बेहतर और तेज कनेक्टिविटी** प्रदान की जा सके।

क्रं सं	नाम	विवरण	लागत (रू करोड़)
1	पालमपुर थात्री - छुंजा ग्लेशियर	13.5 कि.मी.	605
2	शिरगुल महादेव मंदिर से चूडधार (जिला सिरमौर)	8 कि.मी.	250
3	लुंहू-बंदला (जिला बिलासपुर)	3 कि.मी.	150
4	हिमानी से चामुंडा (जिला कांगड़ा)	6.5 कि.मी.	289
5	बिजली महादेव मंदिर (जिला कुल्लू)	3.2 कि.मी.	200
6	भरमौर से भरमनी माता मंदिर	2.5 कि.मी.	120
7	किलर से सच्च दर्रा (जिला चंबा)	20.4 कि.मी.	1,618

E. ऊर्जा

1. हम **हिमाचल प्रदेश में 2027 तक लगभग 3,000 मेगावाट बिजली उत्पादन की अतिरिक्त क्षमता सुनिश्चित करेंगे**।

क्रम संख्या	वर्ष	परियोजनाओं की संख्या	विवरण
1	2023	11	1,079 मेगावाट
2	2024	12	862 मेगावाट
3	2025	15	407 मेगावाट
4	2026	16	481 मेगावाट
5	2027	17	219 मेगावाट
कुल		71	3,048

2. हम **हिमाचल प्रदेश में 10 वर्षों के भीतर 1 लाख घरों को प्रोत्साहन देकर रूफटॉप सोलर पैनल से लैस करेंगे**, जिससे **3,384 मेगावाट की अतिरिक्त क्षमता का उत्पादन** करने में सहयता प्राप्त होगी।

3. हम राज्य में बिजली उपभोक्ताओं के लिए **त्वरित शिकायत निवारण और आसान भुगतान प्रणाली के लिए एक कुशल सिंगल विंडो सिस्टम स्थापित** करेंगे।

4. हम **कम वोल्टेज की समस्या वाले क्षेत्रों में नए ट्रांसफार्मर लगाकर प्रत्येक बिजली उपभोक्ता को उचित वोल्टेज प्रदान करेंगे**।

5. हम यह सुनिश्चित करेंगे कि **सभी सरकारी भवनों में सोलर रूफटॉप पैनल** लगे हों।

6. हम यह सुनिश्चित करेंगे कि **लाहौल और स्पीति जिले में पवन ऊर्जा परियोजना का निर्माण तेजी से पूरा हो** और राज्य में इसी तरह की परियोजनाओं की स्थापना के लिए नए स्थानों की खोज पर ध्यान केंद्रित किया जाए।

क्रम संख्या	नाम	विवरण	लागत (रु करोड़)
1	लाहौल और स्पीति जिले के रंगरिक गांव में सौर-पवन हाइब्रिड विद्युत परियोजना	2.5 मेगावाट	30.72

7. हम **हिमाचल प्रदेश के दूर-दराज एवं सीमावर्ती इलाकों में निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने हेतु** चरणबद्ध तरीके से **वितरित बैटरी पावर रिजर्व** बनाएंगे।

F. शहरी विकास

1. हम **समयबद्ध तरीके से सुरक्षित, निर्बाध और किफायती गैस आपूर्ति प्रदान करने के लिए हिमाचल प्रदेश के 20 प्रमुख शहरों में घरों में पाइप गैस कनेक्शन प्रदान** करेंगे।

2. हम पूरे राज्य में **वर्तमान और नई बहुस्तरीय पार्किंग सुविधाओं के उन्नयन में तेजी लाएंगे।**

3. हम राज्य के **नगरों में गरीबो को किफायती एवं गुणवत्ता वाले आवास उपलब्ध करने हेतु रेंटल हाउसिंग कॉम्प्लेक्स (ARHCs) की सुविधा प्रदान करेंगे।**

4. हम हिमाचल प्रदेश में **प्रमुख शहरी क्षेत्रों की बढ़ती आबादी की आवश्यकताओं को पूरा करने हेतु शिमला, सोलन, धर्मशाला आदि जैसे बड़े शहरों के पास सैटेलाइट टाउन का विकास करेंगे।**

5. हम यह सुनिश्चित करेंगे कि **आने वाले पांच वर्षों में प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत सभी आवेदकों को आवास प्रदान किया जाए।**

6. हम राज्य मे **सभी भीड़-भाड़ वाले बाजारों में ई टॉयलेट उपलब्ध कराएंगे।**

7. हम **सोलन, सिरमौर और ऊना जिलों में नगरपालिका क्षेत्रों में औद्योगिक गतिविधियों से निकलने वाले अपशिष्टों से निपटने** और जिले की नदियों में उच्च गुणवत्ता वाले पानी को बनाए रखने के लिए **नगरपालिका क्षेत्रों और औद्योगिक शहरों में अपशिष्ट उपचार संयंत्र स्थापित** करेंगे।

8. हम एक **'शहरी इन्फ्रास्ट्रक्चर विकास कोष'** की स्थापना कर, **राज्य के सभी शहरी क्षेत्रों में उच्च प्रभाव वाली बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के लिए फण्ड एवं अन्य सुविधाएं उपलब्ध करवाएंगे ।**

9. हम **धर्मशाला और शिमला में स्मार्ट सिटी परियोजनाओं के अंतर्गत सड़कों से सटे अधिक फुटपाथों का निर्माण सुनिश्चित करेंगे।**

10. हम **पीने के पानी के लिए वाटर एटीएम स्थापित कर राज्य की प्रत्येक नगर पंचायत, नगर पालिका और नगर निगम में पर्यटन स्थलों पर पेयजल की उपलब्धता** को सुगम करेंगे।

11. हम **शिमला, सोलन और धर्मशाला शहर में सभी व्यावसायिक भवनों में प्रतिदिन 5 किलो लीटर से अधिक सीवेज डिस्चार्ज के साथ सीवेज उपचार संयंत्रों की स्थापना की सुविधा** प्रदान करेंगे।

12. हम हिमाचल प्रदेश के **फ्लोर स्पेस इंडेक्स (एफ. एस.आई.) और ज़ोनिंग मानदंडों में बदलाव के माध्यम से कुशल आवास को प्रोत्साहित करेंगे।**

G. ग्रामीण विकास

1. हम **'स्मार्ट विलेज प्रोग्राम'** की तर्ज पर राज्य की सभी ग्राम पंचायतों को विकसित करने के लिए एक मिशन शुरू करेंगे जो निम्नलिखित तरीके से गांवों के विकास के लिए केंद्रीय योजनाओं के कार्यान्वयन की सुविधा और निगरानी करेगा:

   - **पंचायत स्तर का बुनियादी ढांचा विकास कार्यक्रम** बनाएं जाएँगे और पंचायतों द्वारा आवश्यक समझे जाने वाले **सामुदायिक मनोरंजन केंद्रों और पुस्तकालयों जैसे बुनियादी ढांचे** के खर्च के लिए **5 वर्षों में 1 करोड़ रुपये खर्च किए जाएँगे**।

- केंद्र सरकार की पीएम वाणी योजना के माध्यम से राज्य भर के हर **गांव में वाई-फाई की सुविधा** स्थापित करेंगे।
- **2025 तक राज्य की प्रत्येक ग्राम पंचायत में एक एटीएम** सुनिश्चित करने हेतु राष्ट्रीयकृत और निजी बैंकों के साथ काम करेंगे। सरकार उन्हें इन ग्राम पंचायतों में बड़े पैमाने पर वित्तीय साक्षरता कार्यक्रम आयोजित करने के लिए भी प्रोत्साहित करेगी।

2. हम डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी रर्बन (र-अर्बन) क्लस्टर प्रोग्राम को मौजूदा 6 क्लस्टर से बढ़ाकर कुल 10 क्लस्टर कर ग्रामीण हिमाचल प्रदेश में स्थानीय आर्थिक विकास और बुनियादी सेवाओं को बढ़ावा देंगे।

H. जल इंफ्रास्ट्रक्चर

1. हम **तीन जिलों शिमला, कांगड़ा और चंबा में पर्याप्त पानी की आपूर्ति सुनिश्चित करने हेतु जल उपचार संयंत्र और हिमनद एवं जल धाराओं पर प्रति वर्ष 500 चेक डैम का निर्माण करेंगे।**

2. हम समाज के सहयोग से **ग्रामीण हिमाचल प्रदेश के झरनों, तालाबों और चश्मे की प्राकृतिक सुंदरता और क्षमता को संरक्षित करने का एक कार्यक्रम** बनाएंगे।

3. हम हिमाचल प्रदेश के **सरकारी स्कूलों में सभी वर्तमान शौचालयों को पूर्वनिर्मित सेप्टिक टैंक सुविधा के साथ जैव-शौचालय में अपग्रेड करेंगे।**

4. हम सभी वर्तमान और भविष्य की जलविद्युत परियोजनाओं में **अनिवार्य 15% एनवायरनमेंट फ़्लो** का प्रावधान करेंगे ताकि **पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखा जा सके और निचले क्षेत्रों में जल आपूर्ति की मांग को पूरा किया जा सके।**

5. हम नमामि गंगे परियोजना में तेजी लाने के उद्देश्य से **"मिशन सतलुज"** शुरू करेंगे ताकि **यह सुनिश्चित किया जा सके कि हिमाचल प्रदेश की सभी नदियाँ स्वच्छ और प्रदूषकों से मुक्त रहें।**

I. नेटवर्क कनेक्टिविटी

1. हम भारतनेट परियोजना के अंतर्गत **राज्य की प्रत्येक पंचायत को 4जी/5जी मोबाइल और हाई स्पीड ब्रॉडबैंड या फाइबर इंटरनेट कनेक्टिविटी के साथ 100 प्रतिशत कनेक्टिविटी के लक्ष्य की प्राप्ति में तेजी लाएंगे।**

2. हम **हिमाचल प्रदेश के कम कनेक्टिविटी वाले अंदरूनी इलाकों में मोबाइल टावर स्थापित करेंगे ताकि हर हिमाचली को अच्छी मोबाइल कनेक्टिविटी मिल सके।**

उद्योग, वाणिज्य व अर्थव्यवस्था

A. औद्योगिक बुनियादी ढांचा और रसद विकास

1. हम रोजगार सृजित करने के लिए **सोलन, ऊना, मंडी, कांगड़ा एवं हमीरपुर** में चरणबद्ध तरीके से **आठ नए औद्योगिक गलियारों** के काम में तेजी लाएंगे।

आगामी औद्योगिक गलियारा

जिला	औद्योगिक क्षेत्र
सोलन	नालागढ़ में मंझौली
	बद्दी में मल्कू माजरा
	कसौली में खदीन
ऊना	अंब में थाथल
	घरारी में जीतपुर भेरी
मंडी	मंडी सदर में पंडोह
काँगड़ा	इंदोरा में कन्डोरी
हमीरपुर	हमीरपुर में जाहु

2. हम **सोलन जिले में एक नया मेगा फूड प्रोसेसिंग पार्क स्थापित** करेंगे।

3. हम **ऊना जिले में एक विश्व स्तरीय लॉजिस्टिक्स सेंटर स्थापित** करेंगे, जिसमें एक **एकीकृत कोल्ड चेन सुविधा, अंतर्देशीय कंटेनर डिपो (आई.सी.डी.), सामान्य सुविधा केंद्र** और अन्य संबंधित सुविधाएं होंगी।

4. हम राज्य में लॉजिस्टिक्स के बुनियादी ढांचे को और सुदृढ़ करने हेतु **सोलन** जिले में एक **मल्टी-मॉडल लॉजिस्टिक्स पार्क** की स्थापना में तेजी लाएंगे।

B. औद्योगिक संवर्धन

1. हम राज्य में **बद्दी-बरोटीवाला-नालागढ़ (बी.बी.एन.) औद्योगिक क्षेत्र के विकास के लिए 1,000 करोड़ रुपये** का कोष आवंटित करेंगे।

2. हम **ऊना-कांगड़ा-हमीरपुर जिलों में एक विशेष रक्षा उद्योग गलियारा** बनायेगे, जहाँ **पानी, बिजली, भूमि पंजीकरण और अन्य आवश्यक बुनियादी ढांचे के लिए छूट** प्रदान की जाएंगी।

3. हम नवोन्मेषी प्रौद्योगिकी आधारित स्टार्ट-अप का समर्थन और पोषण करने के लिए **पहला अटल इनक्यूबेशन सेंटर स्थापित** करेंगे।

4. हम राज्य में **हथकरघा और हस्तशिल्प के संवर्धन** करने के लिए चरणबद्ध तरीके से **"हिम-बुनकर"** केंद्रों को ब्लॉक स्तर तक बढ़ाएंगे।

C. हिमाचल प्रदेश : एक तकनीकी हब

1. हम **कांगड़ा जिले में एक प्लग-एंड-प्ले आईटी हब** खोलेंगे तथा यह सुनिश्चित करेंगे कि आईटी उद्योग को हिमाचल प्रदेश में बढ़ावा मिले।

2. हम हिमाचल प्रदेश को **डेटा सेंटर और क्लाउड कंप्यूटिंग हब** स्थापित करने के लिए, प्राथमिक गंतव्य बनाने के लिए **हिमाचल प्रदेश डेटा सेंटर और क्लाउड कंप्यूटिंग नीति** लॉन्च करेंगे।

D. डिजिटाइजेशन

1. हम **आधार से जुड़े सभी आर.ओ.आर.(RORs) संपत्तियों के भूकर मानचित्रों और डिजिटल हस्ताक्षर** के साथ ऑनलाइन पंजीकरण प्रक्रिया शुरू करेंगे, जो कि भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की **SVAMITVA योजना** के अनुसार है।

E. एम.एस.एम.ई. एवं स्टार्ट-अप संवर्धन

1. हम अगले दस वर्षों में राज्य में कम से कम **एक यूनिकॉर्न ($1 बिलियन कंपनी)** बनाने के उद्देश्य से स्टार्टअप इंडिया की आधार पर **"किकस्टार्ट एचपी" (Kickstart HP)** लॉन्च करेंगे।

2. हम **मुख्यमंत्री स्वावलंबन योजना** के अंतर्गत लाभार्थियों की पहुंच बढ़ाने के लिए, सब्सिडी के लिए पात्र कुल निवेश राशि **1.5 करोड़** रुपये करेंगे।

3. हम आवेदन के **तीस दिनों** के बाद, विभाग द्वारा कोई प्रतिक्रिया नहीं मिलने पर, **नए एम.एस.एम.ई. उद्यमियों को डीम्ड अप्रूवल** की अनुमति देंगे।

F. विविध

1. हम नए स्टार्टअप को प्रोत्साहित करने और पिछले पांच वर्षों में बनाए गए **सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले स्टार्टअप** को पुरस्कृत करने हेतु **"श्यामा प्रसाद मुखर्जी मेमोरियल स्टार्ट-अप पुरुस्कार"** की स्थापना करेंगे।

2. हम हिमाचल प्रदेश के **उद्योग और कौशल के क्षेत्र** में प्रसिद्ध एक व्यक्तित्व को हिमाचल प्रदेश के **"कौशल प्रमुख"** के रूप में नियुक्त करेंगे।

3. हम एक **"असंगठित क्षेत्र कल्याण बोर्ड"** की स्थापना करेंगे जिसका लक्ष्य इस क्षेत्र के लिए हिमाचल प्रदेश सरकार और केंद्र सरकार की सभी योजनाएं लक्षित लाभार्थियों तक पहुँचाना होगा।

4. हम **"स्वच्छ हिमाचल प्रदेश"** के अपने संकल्प को पूरा करने के लिए ठोस **औद्योगिक अपशिष्ट** से निपटने के लिए राज्य भर में **50 ठोस अपशिष्ट उपचार संयंत्र** बनाएंगे।

शिक्षा

A. शैक्षिक शासन

1. हम हिमाचल प्रदेश राज्य में दीनदयाल उपाध्याय शिक्षा निधि की शुरूआत 1,000 करोड़ रूपये के कोष से करेंगे, जो चरणबद्ध तरीके से सभी सरकारी शैक्षणिक संस्थानों में बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ करने में सहयता करेगी। जिसके अंतर्गत:
   - भवनों की मरम्मत एवं सौन्दर्यीकरण।
   - यदि अभी तक किसी विद्यालय में उपलब्ध नहीं कराया गया है, तो स्वच्छ पानी, बिजली उपलब्ध कराना तथा शौचालयों का निर्माण कराना।
   - सरकारी स्कूलों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में अतिरिक्त कमरों का निर्माण।
   - क्रीड़ा के मैदानों और मनोरंजन केंद्रों का निर्माण।
   - सभी शिक्षण संस्थानों में 'स्मार्ट क्लासरूम' की स्थापना।
   - शिक्षण संस्थानों में हाई स्पीड इंटरनेट दिया जाएगा। कम्प्यूटर प्रयोगशाला को उन्नत तकनीक से सुदृढ़ एवं उन्नत किया जायेगा।
   - सभी श्रेणियों के छात्रों को हिंदी के साथ-साथ अंग्रेजी में भी निःशुल्क ई-लर्निंग सामग्री प्रदान की जाएगी।

2. हम यह सुनिश्चित करेंगे कि सरकारी **शिक्षण संस्थानों में नामांकित प्रत्येक छात्र** को सरकार द्वारा प्रदान किए गए **स्मार्ट शिक्षा कार्ड** का उपयोग करके **हिमाचल प्रदेश परिवहन निगम की बसों के माध्यम से अपने शैक्षणिक संस्थानों में निःशुल्क आवागमन** के लिए पात्र होगा।

3. हम **अगले 5 वर्षों में प्रत्येक सरकारी स्कूल, सरकारी कॉलेज और अन्य शैक्षणिक संस्थानों में प्राथमिकता के आधार पर शिक्षण और गैर-शिक्षण कर्मचारियों की भर्ती** करेंगे।

4. हम राज्य में सरकारी शिक्षकों के लिए **स्थानांतरण नीति का पुनर्गठन** करेंगे और जिला स्तर पर स्थानांतरण को और उदार बनाया जाएगा।

5. हम निजी शिक्षण संस्थानों में पारदर्शिता लाने के लिए **हिमाचल प्रदेश निजी शैक्षणिक संस्थान नियामक आयोग के अधिकार क्षेत्र का विस्तार** करेंगे, जिसके अंतर्गत निजी स्कूलों की फीस और अन्य नीतियों की निगरानी की जाएगी जिससे **फीस में अन्यायपूर्ण वृद्धि को नियंत्रित** किया जा सके।

6. हम हिमाचल प्रदेश के **सभी सरकारी स्कूलों में शैक्षणिक संस्थानों के सुरक्षा मानकों को और बेहतर बनाने के लिए सीसीटीवी (CCTV) कै मरेलगाएंगे।**

B. प्राथमिक शिक्षा

1. हम **आर.टी.ई. के प्रवेश कोटा मानदंडों को संशोधित करेंगे** और उन्हें केवल **उन ब्लॉकों में लागू करेंगे जहां सरकारी स्कूल पूरी क्षमता तक पहुंच चुके हैं।**

C. माध्यमिक शिक्षा

1. हम **कक्षा 10, 11 और 12 के छात्रों के लिए वार्षिक मोबाइल डेटा प्लान के साथ निःशुल्क टैबलेट कंप्यूटर और सिम कार्ड प्रदान करेंगे**, ताकि तेजी से डिजिटल हो रही दुनिया में उनकी सीखने की पद्धति में वृद्धि हो सके।
2. हम राज्य के हर माध्यमिक और उससे ऊपर के सरकारी स्कूल में **सेनेटरी नैपकिन वेंडिंग मशीन** स्थापित करेंगे।
3. हम हिमाचल प्रदेश के **प्रत्येक उच्च माध्यमिक विद्यालय में चरणबद्ध तरीके से कम से कम 30 कंप्यूटर सिस्टम** से लैस **सूचना प्रौद्योगिकी प्रयोगशालाओं की स्थापना** करेंगे, जिसमें **शैक्षिक वेबसाइटों, शोध लेखों के भंडार, ई-पेपर, शैक्षिक पत्रिकाओं आदि की संस्थागत पहुंच** होगी।
4. हम **अंतर्राष्ट्रीय ओलंपियाड के अनुरूप** हिमाचल प्रदेश बोर्ड ऑफ स्कूल एजुकेशन के **कक्षा 8वीं से 12वीं तक के छात्रों के लिए राज्य स्तरीय, वार्षिक, विषयवार ओलंपियाड** शुरू करेंगे।
5. हम उन **छात्रों के लिए और अधिक सप्ताहांत उपचारात्मक कक्षाएं शुरू** करेंगे जो अपने वार्षिक रिपोर्ट कार्ड में पिछड़ रहे हैं, जिससे **हिमाचल प्रदेश के शैक्षिक मानकों में और सुधार** होगा।
6. हम भारत सरकार के अटल इनोवेशन मिशन के अंतर्गत **हिमाचल प्रदेश में दस नई "अटल टिंकरिंग लैब" स्थापित** करेंगे।
7. हम **छात्रों के समग्र विकास** को प्राप्त करने के उद्देश्य से हिमाचल प्रदेश के स्कूलों में नामांकित छात्रों के लिए **एन.एस.एस., एन.सी.सी. और स्काउट्स एंड गाइड्स को अनिवार्य** करेंगे।

D. उच्च शिक्षा

1. हम **सरकारी स्कूलों और कॉलेजों में नामांकित राज्य के सभी छात्रों को स्नातक स्तर तक निःशुल्क शिक्षा** प्रदान करेंगे।
2. हम यह सुनिश्चित करेंगे कि **हिमाचल प्रदेश के सभी सरकारी कॉलेजों में चरणबद्ध तरीके से विज्ञान आधारित पाठ्यक्रम और कार्यक्रम** हों।
3. हम **उच्च शिक्षा गारंटी योजना** लाएंगे जिसके माध्यम से **कोई भी योग्य छात्र हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा दी गई बैंक गारंटी के साथ 6 लाख रुपये तक का शिक्षा ऋण प्राप्त कर सकता है।**
4. हम स्नातक की डिग्री प्राप्त करने के लिए देश के **शीर्ष 20 एन.आई.आर.एफ विश्वविद्यालयों** में प्रवेश पाने वाले छात्रों को पाठ्यक्रम के पहले वर्ष के सफल समापन पर **50,000 रुपए की प्रोत्साहन राशि** देंगे।
5. हम हिमाचल प्रदेश में 18 विश्वविद्यालयों द्वारा प्रस्तावित मौजूदा दो पाठ्यक्रमों के अलावा प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के अंतर्गत कम से कम दो और कौशल प्रशिक्षण पाठ्यक्रम, **सौर पैनल स्थापना तकनीशियन & प्राकृतिक उत्पादक, प्रति विश्वविद्यालय** मे शुरू करेंगे।
6. हम हिमाचल प्रदेश के **सभी सरकारी स्कूलों और कॉलेज में आत्मरक्षा और योग प्रशिक्षण** शुरू करेंगे।

E. उच्च शिक्षा संस्थान

1. हम हिमाचल प्रदेश तकनीकी विश्वविद्यालय में साइबर सुरक्षा और क्वांटम कंप्यूटिंग हेतु उत्कृष्टता केंद्र स्थापित करेंगे।
2. हम ऊना जिले में हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय का अनुसंधान केंद्र खोलेंगे।
3. हम यह सुनिश्चित करेंगे कि अगले 5 वर्षों में राज्य के सभी सरकारी कॉलेजों में 5जी इंटरनेट होगा।
4. हम आवश्यकतानुसार विश्वविद्यालयों और तकनीकी संस्थानों में छात्राओं और अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति समुदायों के छात्रों के लिए और अधिक छात्रावासों का निर्माण करेंगे।

F. राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP), 2020 को लागू करने के लिए बड़ी पहल

1. हम छात्रों को **बाजारोन्मुख नौकरियों के लिए तैयार करने हेतु राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020** के अंतर्गत हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड में **पाठ्यक्रम के आधुनिकीकरण और व्यवसायों और उद्योगों के एकीकरण को सुनिश्चित** करेंगे।

G. विविध

1. हम विभिन्न सरकारी परीक्षाओं जैसे **यू.पी.एस.सी., एच.ए.एस., एस.एस.सी., बैंकिंग परीक्षा, रेलवे परीक्षा, सी.डी.एस., एन.ई.ई.टी. और जे.ई.ई. के लिए निःशुल्क ऑनलाइन कोचिंग** प्रणाली शुरू करेंगे।
2. हम हिमाचल प्रदेश में विभिन्न स्थानों पर **900 छात्रों की क्षमता वाले 5 आवासीय मॉडल स्कूल** स्थापित करेंगे।
3. हम राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अंतर्गत **"हिमाचल प्रदेश टूल रूम ट्रेनिंग एंड मल्टी स्किल डेवलपमेंट सेंटर"** की स्थापना हर जिले में करेंगे, जिसके अंतर्गत **एस.एस.एल.सी., आई.टी.आई., डिप्लोमा और बी.ई. स्नातक करने वाले छात्रों को रोजगार-केंद्रित प्रशिक्षण** दिया जाएगा।
4. हम राज्य से **यू.पी.एस.सी. प्रारंभिक परीक्षा पास** करने वाले हिमाचल प्रदेश के सभी छात्रों के लिए **प्रोत्साहन राशि को 30,000 रुपये से बढ़ाकर 1,00,000 रुपये** करेंगे।
5. हम पेशेवर, सामाजिक, सभ्यतागत और सांस्कृतिक शिक्षा पर समान ध्यान देने के साथ **समग्र शिक्षा पर जोर देने के लिए आधुनिक हिमाचल प्रदेश बोर्ड ऑफ स्कूल एजुकेशन के साथ दो मॉडल संस्कृत गुरुकुल स्कूल स्थापित** करेंगे।

स्वास्थ्य

A. स्वास्थ्य सेवाओं का बुनियादी ढांचा

1. हम हिमाचल प्रदेश में सोलन, कुल्लू, ऊना, किन्नौर और लाहौल और स्पीति जिलों में पांच नए मेडिकल कॉलेज स्थापित करेंगे।
2. हम मुख्यमंत्री मोबाइल क्लिनिक योजना के तत्वावधान में राज्य के प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में मोबाइल क्लिनिक वैन की संख्या को दोगुना करेंगे।
3. हम राज्य में स्वास्थ्य सेवा प्रणाली को बढ़ाने के लिए राज्य के सभी पी.एच.सी., सी. एच.सी. और उप केंद्रों को स्वास्थ्य और कल्याण केंद्रों (एच.डब्ल्यू.सी.) में अपग्रेड करेंगे। इन स्वास्थ्य और कल्याण केंद्रों में निम्नलिखित विशेषताएं होंगी:
   - गर्भावस्था और प्रसव, नवजात और शिशु स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं में देखभाल;
   - सामान्य संचारी रोगों का प्रबंधन और तीक्ष्ण साधारण बीमारियों और छोटी बीमारियों के लिए सामान्य बाह्य रोगी देखभाल;
   - गैर-संचारी रोगों और टीबी और कुष्ठ जैसी पुरानी संचारी बीमारियों की जांच, रोकथाम, नियंत्रण और प्रबंधन;
   - बुनियादी मुख स्वास्थ्य देखभाल;
   - सामान्य नेत्र और ई.एन.टी. समस्याओं की देखभाल;

41

4. हम हर **दो साल में एक बार, 1,80,000 रुपये से कम वार्षिक आय** वाले परिवारों को **मुफ्त बुनियादी चिकित्सा जांच** प्रदान करेंगे।

5. हम चरणबद्ध तरीके से राज्य के **प्रत्येक उप-मंडल** में **डायलिसिस सेंटर** स्थापित करेंगे.

6. हम राज्य के सरकारी अस्पतालों में कुल **4,200 अतिरिक्त बेड** और बढ़ाएंगे।

7. हम हिमाचल प्रदेश के **हर जिले में से एक सरकारी अस्पताल को सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल** में बदलेंगे।

8. हम राज्य के दुर्गम इलाकों में रहने वाले मरीजों को **ड्रोन** की मदद से **दवा पहुंचाने की प्रक्रिया** में तेजी लाएंगे।

9. हम राज्य में **जन औषधि केंद्रों** की संख्या को **66 से बढ़ाकर 166** करने की दिशा में कार्य करेंगे।

10. हम हिमाचल प्रदेश में चरणबद्ध तरीके से **सभी राज्य और राष्ट्रीय राजमार्गों पर ट्रॉमा सेंटर** स्थापित करेंगे, ताकि सड़क दुर्घटना में घायल लोगों को **आपातकालीन चिकित्सा उपचार** प्रदान किया जा सके।

11. हम राज्य में चिकित्सा परिवहन सुविधा में सुधार के लिए **102 और 108 एम्बुलेंस सेवा कार्यक्रम का विस्तार** करना जारी रखेंगे।

12. हम राज्य के **आदिवासी और अन्य दुर्गम क्षेत्रों में स्वास्थ्य संस्थान** स्थापित करके हिमाचल प्रदेश में अतिरिक्त स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराएंगे।

B. निवारक और विशिष्ट स्वास्थ्य देखभाल पर ध्यान

1. हम चरणबद्ध तरीके से **हिमाचल प्रदेश कैंसर देखभाल योजना** शुरू करेंगे और राज्य के हर मंडल में एक **किफायती सुपर-स्पेशियलिटी कैंसर देखभाल अस्पताल** और **अनुसंधान केंद्र** स्थापित करेंगे।

2. हमारा लक्ष्य है की **मिशन ऑल आउट** के अंतर्गत **डेंगू, मलेरिया, टाइफाइड, निमोनिया और स्क्रब टाइफस** जैसी बीमारियों को खत्म करना है।

3. हम **हिमाचल प्रदेश की महिलाओं में सर्वाइकल कैंसर को खत्म करने के लिए टीकाकरण अभियान** शुरू करेंगे।

4. हम **वरिष्ठ नागरिकों के लिए गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएं** प्रदान करने की दिशा में शिमला के इंदिरा गांधी मेडिकल कॉलेज में **क्षेत्रीय वृद्धावस्था केंद्र** की स्थापना करेंगे।

5. हम **अनुवांशिक विकारों के निदान, रोकथाम और उपचार के लिए मंडी में आनुवंशिकी और स्वास्थ्य केंद्र** की स्थापना करेंगे और यह केंद्र पूरे राज्य में प्रसव पूर्व आनुवंशिक जांच करने के लिए एक नए कार्यक्रम का केंद्र बनेगा।

6. हम एक **सोशल मीडिया अभियान** शुरू करेंगे जिसके माध्यम से लोगों को विभिन्न निवारक स्वास्थ्य उपायों के बारे में **वीडियो जानकारी** प्रदान की जाएगी जो **बीमारियां रोकने जाने और मृत्यु दर के जोखिम को कम करने के लिए सहायक** होगी।

C. हिमाचल प्रदेश की स्वास्थ्य सेवा प्रणाली को सुदृढ़ बनाना

1. हम **चम्बा, किन्नौर और लाहौल** और स्पीति के जिला अस्पतालों में **रियायती दर** पे **हेलीकॉप्टर एम्बुलेंस सेवाएं** शुरू करेंगे ताकि जिलों के अयोग्य क्षेत्रों की सेवा की जा सके, जो राज्य में समग्र **आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं** के उन्नयन का एक हिस्सा होगा।
2. हम **निजी स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं** के सहयोग से हिमाचल प्रदेश को **स्वास्थ्य और कल्याण पर्यटन** के लिए एक गंतव्य बनाने के लिए नीति पेश करेंगे।
3. हम चरणबद्ध तरीके से **स्वास्थ्य बजट में उत्तरोत्तर 10% की वृद्धि** करके राज्य में **गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाओं को सुनिश्चित** करने के लिए अपनी अटूट प्रतिबद्धता को सुदृढ़ करेंगे।
4. हम हिमाचल प्रदेश को **हेल्थ एंड वेलनेस हब** में बदलने के लिए सभी प्रासंगिक और आवश्यक स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए **हिमाचल प्रदेश हेल्थकेयर डेवलपमेंट कॉरपोरेशन** का गठन

D. स्वास्थ्य सेवाओं में कार्यबल की वृद्धि

1. हम चरणबद्ध तरीके से राज्य के **ग्रामीण क्षेत्रों में** सेवा के लिए तैनात किए जाने वाले **डॉक्टरों और पैरा-मेडिकल स्टाफ** की संख्या को **दोगुना** करेंगे।
2. हम राज्य के **प्रत्येक सरकारी अस्पताल जिनमें 50 से अधिक बेड होंगे** उनमे **तीन विशेषज्ञ डॉक्टरों की नियुक्ति** करेंगे, जिनमें से **1 महिला स्वास्थ्य में विशेषज्ञता वाला डॉक्टर होगे**।
3. हम एक **सामुदायिक चिकित्सा आउटरीच कार्यक्रम** शुरू करेंगे जिसमें **9,000 स्वयंसेवक** चरणबद्ध तरीके से **प्राथमिक चिकित्सा और आपातकालीन चिकित्सा सहायता** में प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे।
4. हम हिमाचल प्रदेश के **चंबा, किन्नौर और लाहौल और स्पीति जिलों में सेवारत चिकित्सा कर्मियों को विशेष आर्थिक प्रोत्साहन** प्रदान करेंगे।

E. माताओं और बच्चों के लिए और अधिक स्वास्थ्य सुविधाएं

1. हम **गर्भवती तथा जिन महिलाओं को तीन साल से कम उम्र के बच्चे हैं उनके द्विमासिक डॉक्टर की जांच के दौरान एक पौष्टिक पोषण किट** प्रदान करेंगे।
2. हम राज्य में **सभी मेडिकल ब्लॉक** स्तरों में **महिला एवं बाल कल्याण केंद्रों** की स्थापना में तेजी लाएंगे।
3. हम नवजात शिशुओं को **रोटावायरस वैक्सीन, मेनिंगोकोकल वैक्सीन, हेपेटाइटिस बी वैक्सीन और न्यूमोकोकल वैक्सीन** मुफ्त उपलब्ध कराएंगे।

F. पारंपरिक औषधि

1. हम कांगड़ा जिले के पपरोला में **राजकीय स्नातकोत्तर आयुर्वेदिक महाविद्यालय** को **उन्नत** करने का प्रयास करेंगे तथा महाविद्यालय में एक **आयुर्वेदिक अनुसंधान केंद्र** की स्थापना की जायेगी।
2. हम हिमाचल प्रदेश में एक **हर्बल हब** बनाएंगे, जहां **आयुर्वेदिक दवाओं** के लिए इस्तेमाल होने वाली जड़ी-बूटियों और औषधीय पौधों को उगाया जाएगा।

महिला एवं बाल विकास

A. महिलाओं के लिए आत्मनिर्भरता

1. हम मुख्यमंत्री शगुन योजना को अपग्रेड कर बीपीएल परिवारों की लड़कियों की शादी के लिए वित्तीय सहायता को 31,000 रुपये से बढ़ाकर 51,000 रुपये करेंगे।
2. हम छठी से बारहवीं कक्षा तक की स्कूली छात्राओं को साइकिल और उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाली लड़कियों को स्कूटी उपलब्ध कराएंगे।
3. हम 500 करोड़ रुपये का एक कोष स्थापित करेंगे जिसके माध्यम से महिला उद्यमियों को होमस्टे स्थापित करने के लिए ब्याज मुक्त ऋण दिया जाएगा।
4. हम महिला स्वयं सहायता समूहों को दिए जाने वाले ऋणों की ऊपरी सीमा को बढ़ाकर उन्हें सशक्त बनाएंगे और उन्हें दिए जाने वाले ऋण पर लगने वाले ब्याज दर को घटाकर 2 प्रतिशत करेंगे।

45

5. हम मां और बच्चे के उचित स्वास्थ्य और देखभाल को सुनिश्चित करने के लिए **गर्भवती महिलाओं को 25,000 रुपये की राशि** प्रदान करेंगे।

6. हम एक नई, **देवी अन्नपूर्णा योजना** के माध्यम से **राज्य में गरीब परिवारों की महिलाओं को 3 मुफ्त रसोई गैस सिलेंडर** प्रदान करेंगे।

7. हम **अटल पेंशन योजना में, गरीब परिवारों की 30 वर्ष से अधिक आयु की सभी महिलाओं** को सम्मिलित करेंगे।

8. हम **सरकारी स्कूलों की 12वीं कक्षा में शीर्ष 5000 रैंक वाली छात्राओं को उनके स्नातक की पढ़ाई के दौरान 2,500 रुपये प्रति माह** की छात्रवृत्ति राशि प्रदान करेंगे।

9. हम राज्य की ग्रामीण महिलाओं के लिए उचित मूल्य की दुकानों के माध्यम से उनके पशुधन हेतु **गुणवत्तापूर्ण चारे की खरीद और वितरण को आसान बनाने के लिए एक प्रणाली** स्थापित करेंगे।

10. हम प्रदेश की **सभी महिलाओं को, ऐसी बीमारियों की जांच और इलाज के लिए**, जो वर्तमान में **हिमकेयर कार्ड में कवर नहीं हैं, उन्हे स्त्री शक्ति कार्ड** के माध्यम से कवरेज प्रदान करेंगे।

11. हम राज्य के सभी **12 जिलों में से प्रत्येक में दो बालिका छात्रावासों का निर्माण** करेंगे जो की उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाली लड़कियों को समर्पित होंगे।

12. हम राज्य की **सरकारी नौकरियों और शैक्षणिक संस्थानों में महिलाओं के लिए 33% आरक्षण** सुनिश्चित करेंगे।

13. हम **बेटी है अनमोल योजना** के अंतर्गत **बीपीएल परिवारों** में जन्म लेने वाली प्रत्येक बालिका के जन्म पर वर्तमान राशि **21,000 रुपये को बढाकर 51,000 रुपये** किया है ।

14. हम हिमाचल प्रदेश के **बीपीएल परिवारों की सभी गर्भवती महिलाओं को 25,000 रुपये तक का ब्याज मुक्त मातृत्व सहायता ऋण** प्रदान करेंगे।

15. हम राज्य भर में **महिला स्वयं सहायता समूहों** (एसएचजी) की **व्यावसाय स्थापना** में सहायता के लिए एक विशेष **100 करोड़ रुपये** का विशेष कोष स्थापित करेंगे।

16. हम 45 वर्ष से अधिक उम्र की महिलाओं के लिए **विधवा / परित्यक्त / एकल नारी पेंशन को 1,000 रुपये से बढ़ाकर 1,500 रुपये** और 70 वर्ष से अधिक उम्र की महिलाओं के लिए **1,500 रुपये से बढ़ाकर 2,500 रुपये** प्रति माह करने का वादा करते हैं।

17. हम चरणबद्ध तरीके से राज्य में **केवल महिला स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) को 20 लाख रुपये तक का बैंक लिंकेज ऋण** प्रदान करेंगे।

18. हम उन सभी महिलाओं को भी **एकल नारी पेंशन** के अंतर्गत शामिल करेंगे **जो अभी भी अपने पति से तलाक लेने की प्रक्रिया में हैं** लेकिन पति से अलग रह रही हैं, और उन्हें भी पेंशन का लाभ प्रदान किया जाएगा।

19. हम **'तारा देवी असहाय मातृ संबल योजना'** शुरू करेंगे, जिसमें विधवाओं और निराश्रित महिलाओं को उनके बच्चों के पालन-पोषण के लिए प्रति वर्ष **12,000 रुपये** की वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी।

20. हम **महिलाओं के लिए सुरक्षित और गारंटीकृत आवास** सुनिश्चित करने की दिशा में चरणबद्ध तरीके से हिमाचल प्रदेश के प्रमुख औद्योगिक क्षेत्रों में **छह नए कामकाजी महिला छात्रावास** स्थापित करेंगे।

21. हम राज्य की खिलाड़ियों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के स्तर पर प्रशिक्षित करने के लिए धर्मशाला में **महिला खेल संस्थान** की स्थापना करेंगे।

B. महिलाओं के लिए शिक्षा

1. हम हिमाचल प्रदेश के 9 ज़िलो **बिलासपुर, चम्बा, हमीरपुर, काँगड़ा, कुल्लू, मंडी, सोलन, सिरमौर और ऊना** में चरणबद्ध तरीके से **9 और सरकारी महिला कॉलेज** शुरू करेंगे।

2. हम **राज्य पुलिस बलों, केंद्रीय पुलिस बलों, बीएसएफ और अन्य अर्धसैनिक बलों** में भर्ती होने और सीडीएस और एनडीए जैसी परीक्षाओं के लिए प्रशिक्षित करने के लिए लड़कियों को **मुफ्त स्कूली शिक्षा प्रदान करने** के लिए चरणबद्ध तरीके से 3 **'रानी खैरगढ़ी स्कूल'** स्थापित करेंगे।

1. हम सभी जिला अस्पतालों में आमतौर पर महिलाओं को प्रभावित करने वाले **विभिन्न प्रकार के कैंसर रोग की नि:शुल्क जांच का प्रावधान** करेंगे।

2. हम राज्य की सभी **एकल नारियों** को हिमकेयर कार्ड प्रदान करके **मुफ्त दवाइयाँ** देंगे।

3. हम हिमाचल प्रदेश के **हर जिले में** महिलाओं के लिए औसतन **100 नए सार्वजनिक शौचालय** स्थापित करेंगे।

4. हम हिमाचल प्रदेश की महिलाओं को केंद्र सरकार की **24x7 टोल-फ्री हेल्पलाइन और वर्चुअल असिस्टेंट** का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित करेंगे जिससे महिलाओं के स्वास्थ्य पर प्रमाणित जानकारी उन्हें प्राप्त हो सके।

D. बाल कल्याण

1. हम सरकारी महिला कर्मचारियों के बच्चों के लिए **डे-केयर सेंटर** खोलेंगे।

2. मौजूदा बाल सदन की तर्ज पर हम **धर्मशाला और सोलन** में राज्य के **दिव्यांग बच्चों** के लिए **बाल सदन** खोलेंगे।

3. हम **एड्स पीड़ित बच्चों** के लिए कांगड़ा जिले में **पुनर्वास केंद्र** स्थापित करेंगे।

सामाजिक कल्याण

A. अंत्योदय कल्याण

1. हम देवदर्शन तीर्थ यात्रा योजना के तहत बनारस, मथुरा, हरिद्वार, चार धाम, अयोध्या आदि पवित्र स्थलों की तीर्थ यात्रा करने के लिए बीपीएल परिवारों के एक लाख वरिष्ठ नागरिकों को 20,000 रुपये तक की वित्तीय सहायता प्रदान करेंगे।
2. हम बी.पी.एल. श्रेणी से संबंधित सभी छात्रों को व्यावसायिक शिक्षा पाठ्यक्रमों के लिए 100% छात्रवृत्ति प्रदान करेंगे।।
3. हम कक्षा 1 से 10 तक पढ़ने वाले सफाई कर्मचारियों के बच्चों को छात्रवृत्ति प्रदान करेंगे। छात्रवृत्ति राशि निम्नवत है

कक्षा	पाठ्यक्रम स्तर	प्रतिवर्ष छात्रवृति राशि (रु में)
1st– 5th	प्राथमिक	4,000
6th– 8th	माध्यमिक	6,000
9th– 10th	उच्चतर	8,000
11th– 12th	उच्चतर माध्यमिक	10,000

4. हम पीएम स्ट्रीट वेंडर आत्म निर्भर निधि योजना (पीएम स्वनिधि) से लाभान्वित होने वाले सभी स्ट्रीट वेंडरों का 50% ब्याज वहन करेंगे।
5. हम कंप्यूटर प्रवीणता प्रशिक्षण कंप्यूटर एप्लीकेशन एंड अलाइड एक्टिविटी स्कीम के तहत वित्तीय सहायता को 1,350 रुपये से बढ़ाकर 2,500 रुपये करेंगे और ईडब्ल्यूएस को भी इस योजना का लाभार्थी बनाएंगे।

6. हम **राज्य के बाहर रहने वाले हिमाचलियों के लिए** बैंगलोर, चेन्नई, हैदराबाद, कोलकाता, मुंबई और दिल्ली में **सुविधा केंद्र खोलेंगे**।

7. हम **राज्य में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में राहत** देंगे।

8. हम **सचिवालय और सभी जिला मुख्यालयों** पर पत्रकारों के लिए **मीडिया सेंटर** स्थापित करेंगे।

9. हम **एससी, एसटी, ओबीसी और ईडब्ल्यूएस उम्मीदवारों के लिए एक राज्य स्तरीय कोचिंग संस्थान (ज्वालामुखी इंस्टीट्यूट ऑफ एक्सीलेंस)** स्थापित करेंगे, जो विभिन्न परीक्षाओं जैसे केंद्रीय या राज्य स्तर की सिविल सेवाओं, सरकारी नौकरियों, बैंकिंग नौकरियों और **आईआईटी, जेईई, एनईईटी- यूजी और क्लैट** जैसी प्रवेश परीक्षाओं की तैयारी के लिए होगा।

10. हम **गैर सरकारी संगठनों की मदद से दिव्यांग छात्रों के लिए शिमला, मंडी और धर्मशाला में विशेष स्कूल** स्थापित करेंगे, जहां उनके वित्तीय सशक्तिकरण के लिए मुफ्त व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा।

11. हम विभिन्न राष्ट्रीय प्रतियोगी परीक्षाओं जैसे यूपीएससी, एसएससी-सीजीएल, आईआईटी-जेईई, एनईईटी आदि के लिए **बीपीएल परिवारों के मेधावी छात्रों को राज्य के बाहर के संस्थानों में कोचिंग के लिए पूर्ण शुल्क प्रतिपूर्ति** देंगे।

12. हम **पोंग बांध विस्थापितों को आवंटित भूमि** जल्द से जल्द देंगे और उन्हें सम्मान के साथ फिर से बसाया जाएगा।

13. हम सरकारी स्कूलों में छठी कक्षा से वार्षिक परीक्षा में 80% से अधिक अंक प्राप्त करने वाले **भवन और अन्य निर्माण श्रमिकों के मेधावी बच्चों के लिए नकद पुरस्कार योजना** शुरू करेंगे।

14. हम राज्य में टैक्सी, ऑटो रिक्शा, ट्रक चालकों आदि के कल्याण के लिए **चालक कल्याण बोर्ड की स्थापना** करेंगे।

15. हम असंगठित मजदूरों को सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने में सक्षम बनाने के लिए **श्रम कल्याण बोर्ड** के माध्यम से **विशेष पहचान पत्र** प्रदान करेंगे।

16. हम **"AIM हिमाचल प्रदेश"** (पहुंच और समावेशिता मिशन हिमाचल प्रदेश 2024) लॉन्च करेंगे जिसके तहत:

- राज्य भर के **प्रत्येक पर्यटन स्थल** को दिव्यांगों के लिए सुलभ बनाया जाएगा।
- **सभी सरकारी स्कूलों और कॉलेजों** को दिव्यांगों के लिए सुलभ बनाया जाएगा।
- आर्थिक सशक्तिकरण सुनिश्चित करने के लिए सभी दिव्यांगों को **मुफ्त व्यावसायिक प्रशिक्षण** प्रदान किया जाएगा।
- राज्य में दिव्यांगों को **असीमित मुफ्त बस यात्रा** प्रदान की जाएगी।

17. हम यह सुनिश्चित करने के लिए काम करेंगे कि **भूमिहीन और अन्य असंगठित मजदूरों को बैंक ऋण के लिए पात्र बनाने और उन्हें विभिन्न सरकारी लाभ प्राप्त करने में सक्षम बनाने के लिए सभी आवश्यक सरकारी दस्तावेज** उपलब्ध कराए जाएं।

18. हम **फॉलो अप कार्यक्रम के तहत** लाभार्थियों के लिए **वित्तीय सहायता को सामान्य वर्ग के लिए 1,300 रुपये से बढ़ाकर 1,800 रुपये प्रति माह** और एससी, एसटी और ओबीसी के लिए बढ़ईगीरी, बुनाई और चमड़े के काम के लिए उपकरणों की खरीद के लिए **1,800 रुपये से बढ़ाकर 2,300 रुपये** कर देंगे।

19. हम हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय में **डॉ. भीमराव अंबेडकर अनुसंधान केंद्र** खोलेंगे, जिसमें छात्र **हिमाचल प्रदेश के समाज की मुख्यधारा से वंचित समुदायों को प्रभावित** करने वाले **सामाजिक मुद्दों पर शोध** कर सकेंगे।

20. हम राज्य में **ट्रांसजेंडर लोगों** को पेंशन के रूप में **69 वर्ष तक की आयु के लिए 850 रुपये से 1,200 रुपये** और 70 वर्ष और उससे अधिक उम्र के लोगों के लिए **1,500 रुपये से बढ़ाकर 2,500 रुपये** करेंगे।

21. हम **प्रधानमंत्री आवास योजना (पीएमएवाई) शहरी और ग्रामीण** के तहत सभी किफायती आवास परियोजनाओं को **फास्ट ट्रैक मिशन मोड पर पूरा** करना सुनिश्चित करेंगे।

22. हम हिमाचल प्रदेश में एक **विशेष विकास परिषद (एसडीसी)** की स्थापना करेंगे जो अनुसूचित जनजातियों और अनुसूचित जाति समुदाय के **हस्तशिल्प, हथकरघा और सांस्कृतिक प्रथाओं के विकास और संरक्षण** के लिए जिम्मेदार होगी।

23. हम केंद्र सरकार की **ई-श्रम पहल** के माध्यम से **असंगठित श्रमिकों को नामांकित करने के लिए बड़े पैमाने पर पंजीकरण अभियान** चलाएंगे

24. हम यह सुनिश्चित करेंगे कि **हिमाचल प्रदेश में सीमेंट की कीमत पड़ोसी राज्यों की तुलना में अधिक न हो**।

B. वरिष्ठ नागरिक

1. हम वरिष्ठ नागरिकों के लिए **14,000 समर्पित स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं की एक टीम** स्थापित करेंगे, जिन्हें **श्रवण कहा** जायेगा, जिन्हें उनके स्वास्थ्य की स्थिति की निगरानी करने, अस्पताल के दौरे में सहायता करने और दवाओं की खरीद के लिए प्रशिक्षित किया जाएगा।

2. हम **वरिष्ठ नागरिकों के खिलाफ दुर्व्यवहार की रोकथाम और निवारण** के उद्देश्य से **एक समर्पित हॉटलाइन नंबर स्थापित करेंगे।**

3. हम राज्य के **सभी वरिष्ठ नागरिकों के लिए** सभी लागू सरकारी कल्याण योजनाओं की स्वचालित पहुंच सुनिश्चित करने हेतु **आधार सक्षम सेवा वितरण (ए.ई.एस.डी.) शुरू करेंगे।**

C. अनुसूचित जाति (एस.सी.), अनुसूचित जनजाति (एस.टी.) एवं अन्य पिछड़ा वर्ग (ओ. बी.सी.)

1. हम राष्ट्रीय प्रतिभा खोज परीक्षा (एन.टी. एस.ई.) और किशोर वैज्ञानिक प्रोत्साहन योजना परीक्षा (के.वी.पी.वाई.) परीक्षा में एससी, एसटी, ओबीसी और ईडब्ल्यूएस परिवारों से आने वाले प्रत्येक जिले के शीर्ष 25 छात्रों को 25,000 रुपये का पुरस्कार प्रदान करेंगे।
2. हम एस.सी., एस.टी. और ओ.बी.सी. आरक्षण के अंतर्गत नौकरी के रिक्त पदों को भरने की प्रक्रिया में तेजी लाएंगे।
3. हम एक आयोग शुरू करेंगे जो मानव विकास सूचकांक के संदर्भ में हिमाचल प्रदेश के पिछड़े क्षेत्रों की पहचान करेगा और उन्हें जीवन स्तर के उच्च स्तर पर लाने पर ध्यान केंद्रित करेगा

पूर्व सैनिक

A. बलिदानी सैनिको के आश्रितों का कल्याण

1. हम बलिदानी सैनिकों के आश्रितों (हुतात्मा सम्मान राशि योजना) को केंद्र सरकार द्वारा प्रदान की गई राशि के अलावा एक अनुग्रह राशि प्रदान करेंगे, जिसका विवरण निम्न प्रकार से है:

प्रवर्ग	राशि (रु)
आकस्मिक मृत्यु या आतंकवादियों या असामाजिक तत्वों द्वारा हिंसा के कारण मृत्यु	35 लाख
युद्ध या सीमा पर झड़पों में या अधिक ऊंचाई पर दुर्गम सीमा चौकियों में दुश्मन की कार्रवाई के दौरान मृत्यु	75 लाख
अंतरराष्ट्रीय युद्ध में दुश्मन की कार्रवाई के दौरान या युद्ध में सहभागिता होने के कारण मृत्यु	1 करोड़

2. हम हुतात्मा सैनिकों की बेटियों के लिए वर्तमान विवाह अनुदान को 15,000 रुपये से बढ़ाकर 3,00,000 रुपये करेंगे।

3. हम **बलिदानी सैनिकों के बच्चों के लिए एक विशेष छात्रवृत्ति** की शुरुआत करेंगे ।

प्रकार	छात्रवृत्ति राशि (रु.)
स्कूली शिक्षा (IX-XII)	40,000 प्रति वर्ष
स्नातक	80,000 प्रति वर्ष
स्नातकोत्तर	1,00,000 प्रति वर्ष

4. हम **हिमाचल प्रदेश के हुतात्माओं को उनके गांवों/गृह नगरों में स्मारक बनाकर या उनके सम्मान में एक सड़क या स्कूल का नाम बदलकर सम्मानित** करेंगे।

5. हम यह सुनिश्चित करेंगे कि **सरकारी नौकरियों में बलिदानी सैनिकों के बच्चों के लिए नॉन-लैप्सेबल आरक्षण कोटा** दिया जाए।

6. हम राज्य के **बलिदानी सैनिकों के बच्चों** के लिए **छात्रवृत्ति** शुरू करेंगे, जिसमें स्कूल की फीस और अन्य सभी शैक्षणिक व्यय शामिल होंगे।

शिक्षा	मानक	छात्रवृत्ति राशि
सामान्य शिक्षा	I-VIII	6,000 रुपए प्रति वर्ष
	IX-XII	12,000 रुपए प्रति वर्ष
उच्च शिक्षा	स्नातक	40,000 रुपए प्रति वर्ष
	स्नातकोत्तर	40,000 रुपए प्रति वर्ष
	रिसर्च और एम.फिल	1,00,000 रुपए प्रति वर्ष

7. हम राज्य के **बलिदानी जवानों के बच्चो को NDA, CAT, JEE, NEET, CLAT, State PCS, UPSC आदि प्रतियोगी परीक्षाओ की कोचिंग के लिए 5 लाख रुपए का ब्याज मुक्त शिक्षा ऋण** प्रदान करेंगे।

B. भूतपूर्व सैनिकों का कल्याण

1. हम **300 करोड़ रुपये** की समग्र निधि के साथ **मेजर सोमनाथ शर्मा पूर्व सैनिक सम्मान क्रेडिट गारंटी ट्रस्ट** की स्थापना करेंगे।

2. हम सेवानिवृत्ति के बाद **भूतपूर्व सैनिकों** के लिए **सरकारी नौकरियों की भर्ती में समय सीमा 2 वर्ष से बढ़ाकर 4 वर्ष** करेंगे।

3. हम राज्य के **पूर्व सैनिकों के बच्चों** के लिए **छात्रवृत्ति** शुरू करेंगे, जिसमें स्कूल की फीस और अन्य सभी शैक्षणिक व्यय शामिल होंगे।

शिक्षा	मानक	छात्रवृत्ति राशि
सामान्य शिक्षा	I-VIII	6,000 रुपए प्रति वर्ष
	IX-XII	12,000 रुपए प्रति वर्ष
उच्च शिक्षा	स्नातक	40,000 रुपए प्रति वर्ष
	स्नातकोत्तर	40,000 रुपए प्रति वर्ष
	रिसर्च और एम.फिल	1,00,000 रुपए प्रति वर्ष

4. हम **लेफ्टिनेन्ट कर्नल धन सिंह थापा वीर सम्मान राशि के अंतर्गत** भूतपूर्व सैनिकों को सशस्त्र बलों से उनकी सेवानिवृत्ति के समय **50,000 रुपये के एकमुश्त वित्तीय अनुदान के साथ एक जॉब-किट प्रदान** करेंगे।

5. हम जिला **सैनिक कल्याण बोर्ड के कार्यालयों का उन्नयन करेंगे** और उन कार्यालयों में रिक्तियों को जल्द से जल्द भरेंगे और ये कार्यालय सेवारत कर्मियों और भूतपूर्व सैनिकों के सामने आने वाले मुद्दों के निवारण के लिए **शिकायत निवारण प्रकोष्ठ** के रूप में कार्य करेंगे।

6. हम **पूर्व सैनिकों के बच्चों के लिए छात्रवृत्ति में यथोचित वृद्धि करेंगे,** जिसकी जानकारी निम्नानुसार है:

प्रकार	वर्तमान राशि (रु.)	संवर्धित राशि (रु.)
स्नातकोत्तर	500/-	1,000/-
पॉलिटेक्निक और कृषि विश्वविद्यालय	500/-	1,000/-
एमबीबीएस, इंजीनियरिंग, आयुर्वेदिक पाठ्यक्रम आदि	1,000/-	2,000/-
बी.एड., जेबीटी, ड्रेसर डिस्पेंसर, एलटी ओटी एसेट्स, सामान्य स्वास्थ्य योजनाएं, पटवारी पाठ्यक्रम, पशु चिकित्सा स्टाफ पाठ्यक्रम और ऐसे अन्य समकक्ष पाठ्यक्रम आदि।	500/-	1,000/-
आईटीआई/आरडीआई पाठ्यक्रम	500/-	1,000/-
केवल ई.एस.एम. के लिए (उपरोक्त पाठ्यक्रम और अन्य)	500/-	1,000/-
विकलांग भूतपूर्व सैनिक पैराप्लेजिक पुनर्वास केंद्रों, पुणे और मोहाली में पुनर्वास प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं	2,000/-	4,000/-

7. हम पूर्व सैनिकों के कल्याण के लिए **एक दुर्घटना बीमा योजना** शुरू करने के लिए राष्ट्रीय स्तर की सरकारी बीमा एजेंसी के साथ गठजोड़ करेंगे जो **अधिकतम 5 लाख रुपये का लाभ** प्रदान करेगी।

8. हम यह सुनिश्चित करेंगे कि भूतपूर्व सैनिक कोटे के अंतर्गत, **सरकारी नौकरी में भूतपूर्व सैनिकों के लिए आरक्षित सभी सीटों में से 70% सीट नॉन-लैप्सेबल** हो।

9. हम **कैप्टन सौरभ कालिया पूर्व सैनिक प्रशिक्षण योजना** पहल के माध्यम से **पूर्व सैनिकों द्वारा अर्जित कौशल के प्रमाणीकरण की सुविधा प्रदान करेंगे** ताकि उनके लिए उच्च कुशल नौकरियां लेना आसान हो सके।

10. हम **पूर्व सैनिकों के बच्चों के लिए एक विशेष छात्रवृत्ति** की शुरुआत करेंगे।

प्रकार	छात्रवृति राशि (रु.)
स्कूली शिक्षा (IX-XII)	40,000 प्रति वर्ष
स्नातक	80,000 प्रति वर्ष
स्नातकोत्तर	1,00,000 प्रति वर्ष

11. हम केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तुत **वीरता पुरस्कार प्राप्तकर्ताओं** को दी जाने वाली **वार्षिक वार्षिकी राशि** में वृद्धि करेंगे और इसका विवरण इस प्रकार है:

वीरता पुरस्कार विजेताओं को वार्षिकी भुगतान संशोधन

क्र0 स0	पुरस्कार का नाम	वर्तमान वार्षिकी (रुपये में)	संशोधित वार्षिकी (रुपये में)
1	कीर्ति चक्र	1,50,000	2,00,000
2	वीर चक्र	1,00,000	1,50,000
3	शौर्य चक्र	1,00,000	1,50,000
4	सेना पदक (शौर्य)	10,000	20,000
5	मेंशन-इन-डिस्पैच	10,000	20,000
6	सर्वोत्तम युद्ध सेवा पदक	8,000	16,000
7	उत्तम युद्ध सेवा पदक	8,000	16,000
8	युद्ध सेवा पदक	8,000	16,000
9	परम विशिष्ट सेवा पदक	10,800	21,600
10	अति विशिष्ट सेवा पदक	9,600	19,200

वीरता पुरस्कार विजेताओं को वार्षिकी भुगतान संशोधन

क्र0 स0	पुरस्कार का नाम	वर्तमान वार्षिकी (रुपये में)	संशोधित वार्षिकी (रुपये में)
11	सेना पदक (विशिष्ट सेवा)	8,000	16,000
12	विशिष्ट सेवा पदक	8,000	16,000

12. हम केंद्र सरकार और सशस्त्र बलों से परामर्श कर पूरे राज्य में **मोबाइल कैंटीन स्टोर का दायरा बढ़ाएंगे।**

13. हम **अग्निपथ योजना के तहत भर्ती होने वाले सभी सेवानिवृत्त अग्निवीरों को 50,000 रुपये के एकमुश्त वित्तीय अनुदान** के साथ एक **जॉब-किट प्रदान** करेंगे।

14. हम **सभी तृतीय श्रेणी व चतुर्थ श्रेणी की सरकारी नौकरियों में अग्निवीरों को 3% आरक्षण प्रदान करेंगे,** जो सरकारी नौकरियों में भूतपूर्व सैनिकों के लिए दिए गए मौजूदा आरक्षण के अतिरिक्त होगा।

15. हम **सेवानिवृत्त अग्निवीरों को आगे की पढ़ाई और नौकरी की आवश्यकताओं के लिए 1 लाख रुपये का अनुदान** प्रदान करेंगे।

16. हम **अग्निवीरों को सेवा-पश्चात औद्योगिक प्रशिक्षण के उद्देश्य से औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आई.टी.आई.) में प्राथमिकता से प्रवेश देंगे** ताकि उन्हें रोजगार योग्य बनाया जा सके।

युवा विकास

A. रोजगार

1. हम हिमाचल प्रदेश के युवाओं को चरणबद्ध तरीके से **आठ लाख नए रोजगार के अवसर** प्रदान करेंगे।
2. हम राज्य में नए स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए **हिम स्टार्टअप योजना के तहत 900 करोड़ रुपये का स्टार्टअप फंड** आवंटित करेंगे।
3. हम पर्यटन क्षेत्र में निवेश करने के इच्छुक युवा, उद्यमियों को अनुदान देने के लिए **20 करोड़ रुपये का "ट्रैवलप्रीन्योर फंड"** का गठन करेंगे।

4. हम केंद्र सरकार द्वारा प्रदान किये जा रहे मान्यदेय के अतरिक्त प्रशिक्षण के इच्छुक बेरोजगार युवाओं को **"मुख्यमंत्री हिमाचल युवा शिक्षुता योजना"** के तहत 2,000 रुपये का मान्यदेय प्रदान करेंगे।
5. हम हिमाचल प्रदेश में सरकारी क्षेत्र में नौकरी के **रिक्त पदों को भरने की प्रक्रिया में तेजी** लाएंगे।
6. हम अपने स्टार्टअप इकोसिस्टम को प्रदर्शित करने के लिए राज्य में **"हिमाचल प्रदेश स्टार्टअप समिट"** का आयोजन करेंगे।
7. हम राज्य के युवाओं को **मुख्यमंत्री स्वावलंबन योजना के तहत मवेशी, भेड़, बकरी, सुअर और मुर्गी पालन को व्यवसाय** के रूप में अपनाने के लिए एक **उद्यमी विकास कार्यक्रम** चलाएंगे।
8. **युवाओं को रोजगार** के अवसर प्रदान करने के लिए हम राज्य में **दो बी.पी.ओ. कॉम्प्लेक्स** स्थापित करेंगे।
9. हम योग्य उम्मीदवारों और संभावित नियोक्ताओं को एक साथ लाने के लिए राज्य भर में एक **"वार्षिक जॉब कॉन्क्लेव"** आयोजित करेंगे।

B. कौशल विकास

1. हम चरणबद्ध तरीके से राज्य की हर एक पंचायत में डिजिटल सुविधाओं से युक्त पुस्तकालय बनाएंगे।
2. हम हिमाचल प्रदेश के सरकारी स्कूलों से 12वीं कक्षा में 80% या अधिक अंक प्राप्त करने वाले बीपीएल परिवारों के छात्रों को लैपटॉप से tपुरस्कृत करेंगे।
3. हम शहरी स्थानीय निकायों में युवाओं के लिए एक इंटर्नशिप कार्यक्रम शुरू करेंगे।
4. हम राज्य स्तरीय प्रतियोगी परीक्षाओं में बैठने के लिए आवेदन शुल्क और परिवहन किराया माफ करेंगे।
5. हम युवाओं के कौशल का मानचित्रण करने के लिए "रोजगार हिमाचल" नामक एक नया पोर्टल विकसित करेंगे, जिसका उद्देश्य नियोक्ताओं और शिक्षित कुशल युवाओं के बीच कौशल-अंतर को कम करना और युवाओं की रोजगार क्षमता में वृद्धि करना है।
6. हिमाचल प्रदेश में चरणबद्ध तरीके से 100% डिजिटल साक्षरता सुनिश्चित करने के लिए हम डिजिटल मित्र नाम के 360 कंप्यूटर साक्षरता कर्मियों की नियुक्ति करेंगे।
7. हम पाठ्यक्रम सामग्री, पाठ्यक्रम और पाठ्यक्रम संरचना को अपडेट करेंगे और चरणबद्ध तरीके से आईटीआई और पॉलिटेक्निक कॉलेजों में प्रयोगशालाओं और बुनियादी ढांचे के उन्नयन के लिए 1 करोड़ रुपये प्रदान करेंगे।

C. युवा कल्याण

1. हम राज्य भर के निजी आवासीय स्कूलों को **जिला स्तरीय खेल स्कूलों (DLSS)** के रूप में मान्यता देंगे और खिलाड़ियों को नि: शुल्क शिक्षा, प्रशिक्षण, उपकरण और आवासीय सुविधाएं प्रदान करके स्कूल जाने वाले खिलाड़ियों को ओलंपिक खेलों का अभ्यास करने के लिए प्रोत्साहित करेंगे।

2. हम **तीन समर्पित सशस्त्र बल भर्ती तैयारी मैदान** स्थापित करेंगे।

3. हम हिमाचली युवाओं के लिए सिविल सेवा और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए एक वेब पोर्टल लॉन्च करेंगे, जिसमें **सेवानिवृत्त आईएएस, आईपीएस, आईएफएस अधिकारी और विभिन्न विषयों के विशेषज्ञ** उन्हें **प्रशिक्षण और मार्गदर्शन** देंगे।

4. **उच्च शिक्षा और करियर के चुनाव** के क्षेत्र में स्कूली छात्रों की सहायता के लिए हम सभी **वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों में कैरियर परामर्श केंद्र** स्थापित करेंगे।

5. हम युवाओं के सर्वांगीण विकास के लिए **"राज्य युवा कल्याण प्रकोष्ठ"** का गठन करेंगे।

6. हम शिक्षा और काम के उद्देश्य से शहरों में आए युवाओं के लिए शिमला, सोलन, मंडी और धर्मशाला में **दीन दयाल उपाध्याय युवा छात्रावास** स्थापित करेंगे।

7. हम राष्ट्रीय और राज्य प्राथमिकताओं पर ध्यान देने के साथ हिमाचल के विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में अनुसंधान पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करने के लिए **"हिमाचल प्रदेश राज्य अनुसंधान फाउंडेशन"** तैयार करेंगे।

8. हम राज्य के **पारंपरिक कला और हस्तशिल्प** पर आधारित **डिजिटल कला** और **रचनात्मकता** को पोषित करने के लिए **"ऊर्जा भवन"** की स्थापना करेंगे।

D. खेल संवर्धन

1. हिमाचल प्रदेश में **खेल बजट को दोगुना** करेंगे।
2. हम युवाओं को **आधुनिक और पारंपरिक** खेलों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए जिला, संभाग और राज्य स्तर पर **"वार्षिक राज्य ग्रामीण ओलंपिक"** का आयोजन करेंगे।
3. विश्व स्तरीय खेल बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए लक्षित निवेश के माध्यम से हिमाचल प्रदेश को **"भारत के खेल पालना"** में बदलेंगे, ताकि हमारे एथलीटों को **"हिमाचल4गोल्ड"** कार्यक्रम के तहत 2032 ब्रिस्बेन ओलंपिक खेलों में स्वर्ण पदक जीतने के लिए प्रशिक्षित किया जा सके।
4. हम खेल को बढ़ावा देने और राज्य स्तरीय खेल टूर्नामेंट आयोजित करने के लिए जिला स्तर पर **बहुउद्देशीय इनडोर स्टेडियम स्थापित** करेंगे।
5. हम **शिमला, कांगड़ा और मंडी** संभागों में चरणबद्ध तरीके से **खेल छात्रावासों** का निर्माण करेंगे।
6. हम हिमाचल प्रदेश में सभी **बारह खेलो इंडिया केंद्रों की स्थापना में तेजी** लाएंगे।
7. हम खेल में उच्च **शिक्षा प्राप्त करने वाले छात्रों** के लिए **"चरणजीत सिंह स्पोर्ट्स स्कॉलरशिप"** शुरू करेंगे।
8. हम बुनियादी ढांचे के विकास और खेल सुविधाओं के रखरखाव के लिए **"हिमाचल प्रदेश स्पोर्ट्स इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट सेल"** की स्थापना करेंगे।
9. हम धर्मशाला में मौजूदा **SAI प्रशिक्षण केंद्र में बुनियादी सुविधाओं** में सुधार करेंगे।
10. हम हिमाचल प्रदेश में **जिलेवार नवोदित खेल प्रतिभाओं को खोजने के लिए एक विशेष प्रतिभा खोज दल** का गठन करेंगे।

भाषा, धर्म व संस्कृति

A. देवधारा नमोस्तुते

1. हम हिमाचल प्रदेश को एक प्रमुख तीर्थस्थल के रूप में विकसित करने और राज्य को देवधरा के रूप में फिर से प्रचलित करने हेतु दस वर्षों की अवधि में 12,000 करोड़ रुपये का निवेश करेंगे। यह रोपवे के माध्यम से पहुंच को आसान बनाने पर विशेष जोर देने के साथ, सभी मंदिरों और तीर्थ केंद्रों के आसपास परिवहन और भौतिक बुनियादी ढांचे को **"SHAKTI (Strengthening Heritage and Kindling Traditions Initiative)"** नामक एक योजना के माध्यम से विकसित करेंगे।

2. हम धर्मशाला और लाहौल-स्पीति को विपासना ध्यान की एक अंतरराष्ट्रीय राजधानी में बदलने और उच्च गुणवत्ता वाले बुनियादी ढांचे का निर्माण करके दुनिया के सबसे बड़े आध्यात्मिक पर्यटन स्थलों में से एक के रूप में बदलने के लिए **'मिशन धम्म चक्र'** शुरू करेंगे।

3. हम राज्य के प्रमुख मंदिरों के विकास और कायाकल्प के लिए **300 करोड़ रुपये के देवस्थानम संकल्प कोष** का गठन करेंगे।

4. हम वाराणसी की तर्ज पर ब्यास नदी के तट पर महर्षि व्यास घाटों को विकसित करने हेतु **"छोटी काशी उत्थान परियोजना"** के अंतर्गत **400 करोड़ रुपये** का एक कोष निर्धारित करेंगे, ताकि इसके **बोलचाल के नाम 'छोटी काशी' को पुनः प्रतिष्ठित रखा जा सके**।

5. हम **कांगड़ा में बथु मंदिर, चंबा में चौरासी मंदिर और मंडी में शिव मंदिरों जैसे मंदिरों के समूह को** पुनः प्रतिष्ठित करने और फिर से जीवंत करने के लिए **"आराध्य स्थान पुनरुद्धार "** नामक एक पहल शुरू करेंगे, जिसमें मंदिर समूह में और उसके आसपास सुविधाओं में सुधार पर जोर दिया जाएगा।

6. हम हिमाचल प्रदेश में प्राचीन ऋषियों से जुड़े स्थानों और मंदिरों के **आसपास उच्च गुणवत्ता वाले बुनियादी ढांचे के विकास** के लिए राज्य में **"ऋषि भूमि परिपथ"** विकसित करेंगे।

7. हम हिमाचल प्रदेश में **पंजीकृत मंदिरों के पंडितों और महंतों को प्रति माह 5000 रुपये की वित्तीय सहायता** प्रदान करेंगे।

8. हम सभी **पंजीकृत मंदिरों को मंदिर प्रतिष्ठा के संबंध में समारोह के हिस्से के रूप में आयोजित वार्षिक रथ और शोभा यात्रा के आयोजन के लिए 50,000 रुपये का अनुदान** प्रदान करेंगे।

9. हम प्रयास करेंगे कि **कांगड़ा में मसरूर रॉक कट मंदिर, मनाली में हडिम्बा देवी मंदिर, स्पीति घाटी में ताबो मठ, कांगड़ा में कांगड़ा किला और शिमला में भारतीय उन्नत अध्ययन संस्थान (वाइसरीगल लॉज) को यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थल घोषित** किया जाए।

10. हम प्राचीन, पौराणिक, ऐतिहासिक और आध्यात्मिक स्थलों के इतिहास का विवरण देने वाली पट्टिकाओं को स्थापित करने के लिए **"हिम-धरोहर संवर्धन परियोजना"** शुरू करेंगे।

B. वैदिक धरोहर संरक्षण

1. हम हिमाचल प्रदेश के प्रत्येक मध्य, उच्च, उच्च माध्यमिक सरकारी स्कूलों में **सभी कक्षाओं के लिए** एक **स्पोकन संस्कृत प्रयोगशाला** स्थापित करेंगे।

2. हम **कांगड़ा में केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के वेदव्यास परिसर में नए पाठ्यक्रम और विभाग शुरू** करने के लिए केंद्र सरकार के साथ समन्वय करेंगे।

3. हम राज्य की **30 चयनित वेद पाठशालाओं को चरणबद्ध तरीके से संस्कृत और संबंधित विषयों के शिक्षण बुनियादी ढांचे के उन्नयन के लिए एक-एक करोड़ रुपये की एकमुश्त वित्तीय सहायता** प्रदान करेंगे।

4. हम हर साल पेशेवर योग प्रशिक्षकों और आचार्यों को प्रशिक्षित करने और तैयार करने के लिए **मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान की तर्ज पर महर्षि जमदग्नि योग प्रशिक्षण संस्थान की स्थापना** करेंगे।

5. हम ऐसी परियोजनाओं को प्रारंभ करेंगे जिनमें **हिमाचल प्रदेश के इतिहास और संस्कृति को केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के वेदव्यास परिसर और अन्य शैक्षणिक संस्थानों के सहयोग से संस्कृत भाषा** में लिखा जाएगा।

6. हम **देश भर के सभी प्रमुख धार्मिक और सामाजिक संस्थानों के साथ सुनिश्चित** करेंगे ताकि **वेद पाठशालाओं में प्रशिक्षित लोगों को रोजगार** सुनिश्चित किया जा सके।

C. हमारी भाषा हमारी संस्कृति

1. हम हिमाचल प्रदेश में **पहाड़ी भाषा की मान्यता और प्रचार** और इसके **डिजिटल शब्द भंडार** के संकलन के लिए **पहाड़ी भाषा विकास बोर्ड और पहाड़ी भाषा अनुसंधान केंद्र स्थापित** करेंगे।

2. हम उन **लेखकों को 2,00,000 रुपये का लेखक अनुदान प्रदान करेंगे जो पहाड़ी भाषाओं जैसे बघती, हिंदुरी, कुल्वी, किन्नौरी, पंगवाली, सिरमौरी और भोटी में गुणवत्तापूर्ण साहित्यिक कार्य प्रकाशित** करेंगे।

3. हम **एक साल के भुगतान वाले इंटर्नशिप** प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से इच्छुक लेखकों को सालाना प्रशिक्षित करने के लिए **एक आधुनिक साहित्य प्रशिक्षण केंद्र स्थापित** करेंगे।

4. हम **हिमाचल प्रदेश की भाषा, कला और संस्कृति को बढ़ावा देने के क्षेत्र में हिमाचल साहित्य एवं संस्कृति सम्मान के तत्वावधान में विशेष पुरस्कार देंगे** और प्रत्येक विजेता को **10 लाख रुपये के पुरस्कार** से सम्मानित किया जाएगा।

5. हम **चयनित सरकारी मध्य, उच्च और उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों को 'संस्कृति विद्यालय' के रूप में नामित** करेंगे, और पारंपरिक नृत्य और संगीत में छात्रों को प्रशिक्षित करने के लिए शिक्षकों की नियुक्ति करेंगे।

6. हम **शास्त्रीय और पारंपरिक नृत्य और संगीत से संबंधित पाठ्यक्रमों में नामांकित सभी मेधावी छात्रों की शिक्षा के लिए पूरी तरह से वित्तीय सहायता** देंगे।

7. हम हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय में **लोक निष्पादन कला अकादमी की स्थापना** करेंगे, जिसमें डांगी, चोलम्बा, राक्षसा, शांड, शाबू और हिमाचल प्रदेश के अन्य पारंपरिक नृत्य रूपों के विशेषज्ञ होंगे।

8. हम **हिमाचल प्रदेश के पारंपरिक संगीत को बढ़ावा देने के लिए** लोक संगीतकारों और वादकों को **3,000 रुपये की मासिक वित्तीय सहायता** प्रदान करेंगे।

9. हम **क्षेत्रीय लोक संगीतकारों और वादकों** को 60 वर्ष की आयु पूरी करने पर **5,000 रुपये की पेंशन प्रदान** करेंगे।

10. हम समृद्ध धरोहर और संस्कृति को संरक्षित करने और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर संस्कृति और धरोहर को बढ़ावा देने के लिए **हिमाचल प्रदेश संस्कृति संरक्षण, सुरक्षा और संवर्धन नीति** लाएंगे।

11. हम **धर्मशाला में वैकल्पिक रूप से एक वार्षिक हिमाचल प्रदेश अंतर्राष्ट्रीय लोक महोत्सव** का आयोजन करेंगे, जिसमें प्रमुख लोक कलाकारों को हिमाचल प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और विविधता को प्रदर्शित करने के लिए एक मंच दिया जाएगा।

12. हम प्रतिष्ठित त्योहारों / जात्राओं के कुशल संगठन और **100 करोड़ रुपये के कोष** का उपयोग करके मौद्रिक अनुदान के वितरण के लिए **देवभूमि संस्कृति उत्थान समिति का गठन** करेंगे।

13. हम शोधकर्ताओं और इतिहासकारों को किलों के इतिहास के विषय और सामग्री को विकसित करने और हिमाचल प्रदेश के **पांच ऐतिहासिक किलों को फिर से जीवंत** करने के लिए **1,00,000 रुपये का एकमुश्त अनुदान** देंगे। साथ ही किलों के इतिहास को लाइट और साउंड शो के माध्यम से दिखने के लिए आवश्यक उपकरण प्रदान करेंगे।

कानून एवं व्यवस्था

A. पुलिस बलों का सुदृढ़ीकरण और आधुनिकीकरण

1. हम पुलिस बलों के नियमितीकरण और ग्रेड-पे से संबंधित मुद्दों को शीघ्रता से हल करने के लिए निम्नलिखित स्तिथियों के अनुसार आवश्यक कदम उठाएंगे:

श्रेणी	वर्तमान स्तिथि	भविष्य स्तिथि
गैर-नियमित पुलिस कांस्टेबलों का वेतनमान	Rs. 5,910-Rs. 20,200 ग्रेड पे=Rs. 1,900	Rs. 10,300-Rs. 34,800 ग्रेड पे=Rs. 3,200
राशन भत्ता	Rs. 210	Rs. 2,000
किट प्रबंधन भत्ता	Rs. 30	Rs. 2,000
रोजगार का नियमितीकरण	5 वर्ष	2 वर्ष

2. हम **हिमाचल प्रदेश पुलिस को मजबूत** करने के लिए **अतिरिक्त 70 पीसीआर (पुलिस नियंत्रण कक्ष) वाहन उपलब्ध करवाएंगे** जिससे किसी भी घटना पर तेज एवं त्वरित कारवाई करने के प्रयासों को मज़बूती मिलेगी।

3. हम हिमाचल प्रदेश के सभी पुलिस थानों को अत्याधुनिक बुनियादी ढांचे के साथ अपग्रेड करने के लिए **पुलिस स्टेशन अपग्रेडेशन मास्टरप्लान** लॉन्च करेंगे।

4. हहम हिमाचल प्रदेश में **तीन अतिरिक्त आईआरबी बटालियन** बनाएंगे, जिसमें एक बटालियन में विशेष रूप से **महिला पुलिस अधिकारी शामिल होंगी।**

5. हम केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (CISF) की तर्ज पर एक **राज्य औद्योगिक सुरक्षा बल** का गठन करेंगे, जो राज्य में **औद्योगिक क्षेत्रों की सुरक्षा सुनिश्चित करेगा**।

6. हम कर्मियों के लिए **5,000 बुलेट प्रूफ जैकेट** खरीदकर **हिमाचल प्रदेश पुलिस के आधुनिकीकरण** के अपने संकल्प को कायम रखेंगे।

7. हम पीएम श्री नरेंद्र मोदी जी की संकल्पना, **SMART (Strict and Sensitive, Modern and Mobile, Alert and Accountable, Reliable and Responsive, Techno-savvy and Trained)** पुलिस, को हिमाचल प्रदेश में एक वास्तविकता बनाने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाएंगे।

8. हम **पुलिस बल, जेल विभाग और होमगार्ड विभाग के आधुनिकीकरण** को तेज़ी देने के लिए **कानून व्यवस्था के बजट में 20% की वृद्धि** करेंगे।

B. न्याय वितरण प्रणाली को मजबूत करना

1. हम धर्मशाला में **हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय की एक सर्किट बेंच स्थापित करेंगे**, ताकि राज्य के सुदूर के क्षेत्रों में न्यायपालिका तक आसान पहुंच बनाई जा सके।

2. हम जघन्य अपराधों के मामलों में हिमाचल प्रदेश के लोगों के लिए त्वरित और प्रभावी न्याय सुनिश्चित करने के लिए प्रदेश में **चार अतिरिक्त फास्ट ट्रैक स्पेशल कोर्ट (एफटीएससी) स्थापित करेंगे**।

3. हम राज्य पुलिस विभाग की फोरेंसिक जांच शाखा को और मजबूत करने के लिए **कांगड़ा जिले में राज्य फोरेंसिक प्रयोगशाला** की एक शाखा स्थापित करेंगे।

4. हम **शिमला और धर्मशाला में पुलिस कमिशनरेट प्रणाली** शुरू करेंगे, जो इन शहरों में किसी भी कानून और व्यवस्था की स्थिति के लिए एक तेज, अधिक प्रभावी और अधिक कुशल प्रतिक्रिया में मदद करेगी।

5. हम यह सुनिश्चित करेंगे कि हमारे नागरिकों के खिलाफ किए गए **सभी जघन्य अपराधों की समयबद्ध तरीके से जांच** जारी रहे।

6. हम विवादों को सुलझाने के लिए **Alternative Dispute Resolution (ADR) और लोक अदालत के माध्यम को व्यवहारिक विकल्पों के रूप में मजबूत करेंगे** और उन्हें बढ़ावा देने के लिए न्यायिक सेवा विंग की तर्ज पर एक समर्पित **(ADR)** सेवा शाखा स्थापित करेंगे।

7. सरकार में **किसी प्रकार के भ्रष्टाचार की सूचना** देने के उद्देश्य से हम मुख्यमंत्री कार्यालय स्थित एक **विशेष हेल्पलाइन** शुरू करेंगे और किसी भी प्रकार की शिकायत मिलने पर समय पर सख्त कार्रवाई की जायेगी.

C. महिला सुरक्षा

1. हम **महिला पैट्रोल वाहनों** का प्रावधान करेंगे और उन्हें हर थाने में तैनात करेंगे। ये वाहन **महिलाओं और बच्चों के खिलाफ** की जा रही किसी भी आपराधिक गतिविधि से बचाने के लिए **चौबीसों घंटे निगरानी** करेंगे।

2. हम **'गुड़िया सुरक्षा कानून** 'लेकर आएंगे, जिसमें महिलाओं और बच्चों के खिलाफ अपराध के मामलों में और कड़ी सजा देने के लिए मौजूदा कानूनों में संशोधन किया जाएगा।

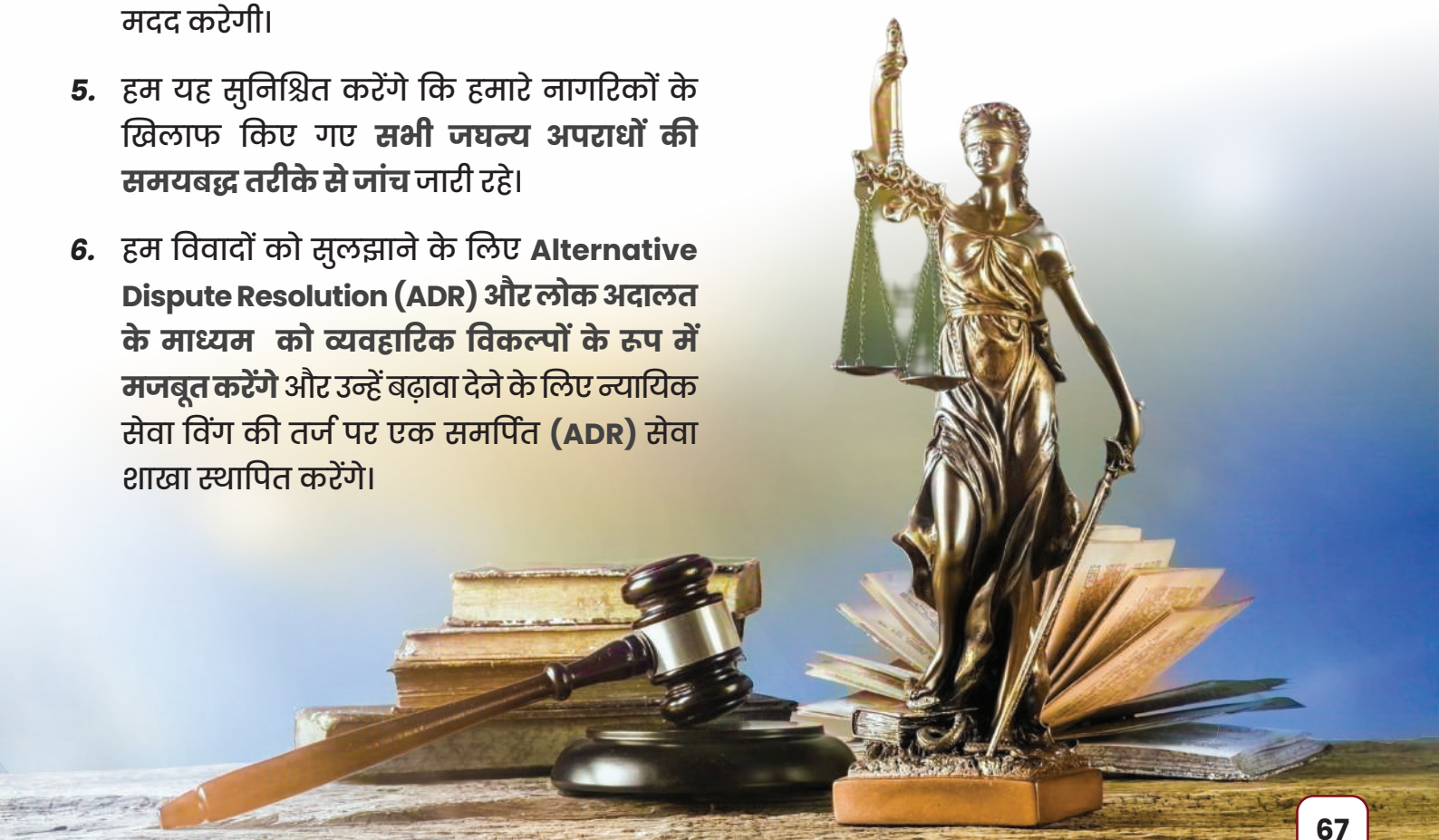

लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम, 2012 में बलात्कार के लिए प्रस्तावित संशोधन			
पीड़िता की उम्र	**अपराध**	**2018 संशोधन के अंतर्गत**	**प्रस्तावित संशोधन**
12 वर्ष से कम	बलात्कार	20 साल का आजीवन कारावास (शेष प्राकृतिक जीवन) या मृत्यु तक बढ़ाया जा सकता है	आजीवन कारावास (शेष प्राकृतिक जीवन) आजीवन कारावास (न्यूनतम) या मृत्यु (अधिकतम)
	सामूहिक बलात्कार	आजीवन कारावास (शेष प्राकृतिक जीवन) या मृत्यु	आजीवन कारावास (शेष प्राकृतिक जीवन) आजीवन कारावास (न्यूनतम) या मृत्यु (अधिकतम)
12 से 16 वर्ष की आयु के बीच	बलात्कार	20 साल या आजीवन कारावास तक बढ़ा सकते हैं	आजीवन कारावास (शेष प्राकृतिक जीवन) आजीवन कारावास (न्यूनतम) या मृत्यु (अधिकतम)
	सामूहिक बलात्कार	आजीवन कारावास (शेष प्राकृतिक जीवन)	आजीवन कारावास (शेष प्राकृतिक जीवन) आजीवन कारावास (न्यूनतम) या मृत्यु (अधिकतम)
16 and above	बलात्कार	10 साल या आजीवन कारावास तक बढ़ा सकते हैं	आजीवन कारावास (शेष प्राकृतिक जीवन)
	सामूहिक बलात्कार	20 साल या आजीवन कारावास तक (शेष प्राकृतिक जीवन)	आजीवन कारावास (न्यूनतम) या मृत्यु (अधिकतम)

महिलाओं के खिलाफ अन्य अपराधों में प्रस्तावित संशोधन		
अपराध	**वर्तमान सजा**	**प्रस्तावित संशोधन**
वेश्यावृत्ति आदि के लिए नाबालिगों को बेचना।	दस साल तक की कैद	सात साल से बीस साल तक कारावास
वेश्यावृत्ति आदि के प्रयोजनों के लिए नाबालिगों को ख़रीदना।	दस साल तक की कैद	सात साल से बीस साल तक कारावास
यौन हमला	पांच साल तक के जुर्माने के साथ	सात साल तक और जुर्माना, जो 1 लाख रुपये से कम नहीं होगा।
दहेज मौत	सात साल तक की उम्र कैद	एक अवधि के लिए कारावास जो कम से कम दस वर्ष से लेकर आजीवन कारावास तक हो सकता है
घरेलू हिंसा	एक साल या ₹20,000 तक का जुर्माना	तीन साल और ₹1 लाख का जुर्माना
क्रूरता	तीन साल तक और जुर्माना	पांच साल और ₹1 लाख का जुर्माना

3. हम राज्य में **सभी महिला थानों की संख्या को बढ़ाएंगे**, जिसमें **राज्य के सभी 71 उपमंडलों** में ऐसा एक महिला पुलिस थाना हो।

D. सामुदायिक पुलिसिंग

1. हम राज्य के जिला मुख्यालयों,प्रमुख सहरों पर्यटन स्थलों, बाजारों एवं धर्म स्थलों मे सुरक्षा की दृष्टि से कुल 12,000 सीसीटीवी कैमरे लगाएंगे।
2. हम पीड़ितों और गवाहों के लिए उपयुक्त सुरक्षा रणनीति तैयार करके उनकी देखभाल और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए "पीड़ित और गवाह संरक्षण योजना" शुरू करेंगे।

E. पुलिस कल्याण

1. हम राज्य **पुलिस कर्मियों** को प्रदान की जाने वाली **मौजूदा आवास सुविधाओं को चरणबद्ध तरीके से अपग्रेड** करेंगे।
2. हम ड्यूटी के दौरान **वीरगति को प्राप्त हुए पुलिस कर्मियों के बच्चों** को **NDA,CAT,AIEEE,JEE,NEET,CLAT,HAS और UPSC** जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की कोचिंग के लिए 2 लाख रुपये तक का **ब्याज मुक्त शिक्षा ऋण** प्रदान करेंगे।
3. हम सभी पुलिस कर्मियों को **मातृ पितृ वंदना योजना** के तहत अपने माता-पिता के साथ गुणवत्तापूर्ण समय बिताने में सक्षम बनाने के लिए **प्रति वर्ष एक दिन की छुट्टी** की शुरुआत करेंगे।
4. हम उन **पुलिस कर्मियों के परिवारों का सम्मानपूर्वक पुनर्वास** करेंगे जिन्होंने कर्तव्य के दौरान अपने जीवन का बलिदान दिया या स्थायी रूप से विकलांग हो गए।
5. हम **पुलिस विभाग, कारागार विभाग और होमगार्ड विभाग के कर्मियों** के लिए **मौजूदा पदोन्नति नीतियों को सुव्यवस्थित करेंगे**।

F. युद्ध : नशे के विरुद्ध

1. हम राज्य में **नशीले पदार्थों की आमद पर नकेल कसने** में मदद के लिए **सभी सीमा चौकियों को अपग्रेड** करेंगे।
2. हम **ड्रग माफियाओं की नापाक गतिविधियों पर पैनी नजर** रखने के लिए राज्य के हर उपमंडल में नई **स्पेशल पुलिस पोस्ट** स्थापित करेंगे.
3. हम यह सुनिश्चित करेंगे कि "**नारकोटिक्स टास्क फोर्स**" राज्य में नशीली दवाओं के व्यापार पर शिकंजा कसेगी और इसमें शामिल लोगों के खिलाफ विशेष फास्ट-ट्रैक अदालतों में कार्यवाही की जाएगी।
4. हम सजा काट रहे **नशा तस्करों की सभी चल-अचल संपत्तियां जब्त** करेंगे, जिसमें घर और वाहन भी शामिल होंगे और इसका इस्तेमाल राज्य के **हर जिले में एक नशामुक्ति और पुनर्वास केंद्र की स्थापना** के लिए किया जाएगा।

सरकारी कर्मचारी कल्याण

1. भाजपा सरकार द्वारा सरकारी कर्मचारियों के वेतन में विसंगतियों को दूर किया जाएगा।
2. हम महिला कर्मचारियों और विधुर सरकारी कर्मचारी पिता, जिनकी पत्नी की प्रसव के दौरान मृत्यु हो गई हो, उनको 365 दिन की चाइल्ड केयर लीव प्रदान करेंगे।
3. हम सभी सरकारी कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के लिए कैशलेस चिकित्सा सुविधा प्रदान करेंगे, जिसके लिए 50 करोड़ रुपये का कोष बनाया जाएगा।
4. हम सरकारी कर्मचारियों के लिए महंगाई भत्ते को वर्तमान 34 प्रतिशत से बढ़ाकर 38 प्रतिशत करेंगे।
5. हम राज्य के आदिवासी इलाकों और दूर-दराज के क्षेत्रों में सेवारत सरकारी कर्मचारियों को दिए जाने वाले भत्ते को चरणबद्ध तरीके से 650 रुपये प्रति माह से बढ़ाकर 1,300 रुपये प्रति माह करेंगे।
6. हम राज्य के आदिवासी और दूरदराज के क्षेत्रों में सेवारत सरकारी कर्मचारियों के लिए आवास सुविधाओं में सुधार करेंगे।
7. हम हिमाचल प्रदेश के कर्मचारियों को केंद्रीय वेतन आयोग से जोड़ने की नीति बनाएंगे या स्वयं का राज्य वेतन आयोग गठित करेंगे।

पर्यावरण

1. हम, लोगों की जान बचाने और संपत्ति के नुकसान को कम करने के लिए **हिमाचल प्रदेश की नदियों के किनारे बाढ़ चेतावनी प्रणाली स्थापित** करेंगे।

2. हम **जंगल की आग शीघ्र पता लगाने और त्वरित प्रतिक्रिया बुनियादी ढांचे के माध्यम से** मानव रहित हवाई वाहनों और प्रणालियों का उपयोग कर **मानव निर्मित आग को रोकने के लिए ठोस उपाय** करेंगे।

3. हम नागरिकों और पर्यटकों की सुरक्षा के लिए **भूस्खलन चेतावनी मोबाइल एप्लिकेशन** शुरू करेंगे और चरणबद्ध तरीके से राज्य के **300 संभावित भू-स्खलन क्षेत्रों में पूर्व चेतावनी प्रणाली स्थापित** करेंगे।

4. हम स्वास्थ्य सुविधाओं द्वारा उत्पादित कचरे का उचित निष्पादन सुनिश्चित करने के लिए शिमला, कांगड़ा, मंडी और सोलन में **चार बायो-मेडिकल वेस्ट ट्रीटमेंट प्लांट स्थापित** करेंगे।

5. हम राज्य में प्रदूषण को कम करने के लिए **इलेक्ट्रिक और हाइब्रिड वाहनों के पंजीकरण शुल्क में 50% की छूट देकर इस श्रेणी के वाहनों को बढ़ावा** देंगे।

6. हम **प्लास्टिक कचरे को इकट्ठा करने के लिए** शहरों, कस्बों और नगर पंचायतों के सभी भीड़-भाड़ वाली जगहों पर **ग्रीन ए.टी.एम.** लगाएंगे।

7. हम राज्य में **हिमस्खलन की समस्या** को **समझने और कम करने** के लिए **स्नो एंड एवलांच स्टडी एस्टाब्लिशमेंट (SASE) के नेतृत्व में गहन अध्ययन और शोध** करेंगे।

8. हम **प्रदूषण से निपटने और हिमाचल प्रदेश के पर्यावरण को संरक्षित** करने के लिए इनोवेटिव समाधान विकसित करने हेतु **भारत के प्रमुख शैक्षणिक संस्थानों के सहयोग से अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा** देंगे।

9. हम स्वच्छ भारत अभियान के अंतर्गत **ई-कचरे को इकट्ठा करने के लिए शहरी क्षेत्रों में एक तंत्र स्थापित करेंगे,** जहां **शहरी स्थानीय निकाय इस प्रकार के कचरे के संग्रह और निष्पादन के लिए उत्तरदायी** होंगे।

10. हम राज्य में **हर नई जलविद्युत परियोजना में फिश लैडर अनिवार्य** करेंगे।

11. हम **वन्यजीवों की अप्रतिबंधित आवाजाही को सुविधाजनक बनाने और मानव-वन्यजीव संघर्ष को रोकने** के लिए **प्राकृतिक वन्यजीव गलियारों का संरक्षण और पुनर्निर्माण करेंगे।**

12. हम **हिमाचल प्रदेश के जंगलों में वन्यजीव ट्रैकिंग तकनीक का प्रयोग जानवरों की आवाजाही** का पता लगाने और **मानव-वन्यजीव संघर्षों को कम करने के लिए** करेंगे।

13. हम **पहले से लगाए गए पेड़ों की स्थिरता और संरक्षण को** सार्वजनिक-निजी भागीदारी के माध्यम से एवं कॉर्पोरेट सोशल रेसपोंन्सीबिलिटी (सी.एस.आर.) के माध्यम से चरणबद्ध तरीके से प्रोत्साहित किया जाएगा, ताकि **क्षेत्र में कृषि उपज और पानी की उपलब्धता में सुधार हो और मिट्टी का कटाव कम हो सके।**

14. हम हिमाचल प्रदेश **के तीन ग्राम पंचायतों को सर्वोत्तम संरक्षण प्रथाएँ अपनाने के लिए भू संरक्षण पुरस्कार प्रदान करेंगे**। पुरस्कार के रूप मे ग्राम पंचायत को निम्नलिखित राशियां प्रदान की जायेंगी:

पुरस्कार	सम्मान राशि (रु)
1st	10 लाख
2nd	7 लाख
3rd	5 लाख

15. हम हिमाचल प्रदेश के शहरी क्षेत्रों में **कचरा संग्रह और निष्पादन के प्रभावी प्रबंधन को ट्रैक करने** के लिए एक उन्नत पोर्टल बनाएंगे।

16. हम **जल पूर्ण पंचायत पुरस्कार योजना** की शुरुआत करेंगे, जिसके अंतर्गत **पंचायत स्तर पर जल संरक्षण और जल प्रथाओं के इष्टतम उपयोग को प्रोत्साहित करने के लिए** विजेता पंचायतों को निम्नलिखित राशि दी जाएगी:

पुरस्कार	सम्मान राशि (रु)
1st	15 लाख
2nd	10 लाख
3rd	5 लाख

दृष्टि पत्र- 2022 समिति
भारतीय जनता पार्टी, हिमाचल प्रदेश

संयोजक

प्रोफेसर (डॉ.) सिकंदर कुमार

सह संयोजक

श्री बिहारी लाल शर्मा

सदस्य

सदस्यों का नाम

श्री जयराम ठाकुर
श्री शांता कुमार
श्री सुरेश भारद्वाज
श्री गोविंद ठाकुर
श्री विक्रम ठाकुर
श्री रणधीर शर्मा
श्री चंद्रमोहन ठाकुर
श्री घनश्याम शर्मा
ब्रिगेडियर खुशाल चंद ठाकुर
डॉ. कुलदीप अग्निहोत्री
श्री रविन्द्र ठाकुर
श्री रमेश चौधरी
प्रोफेसर प्रेम कुमार धूमल
श्री अनुराग ठाकुर
श्री महेंद्र ठाकुर
श्री सुखराम चौधरी
डॉ राजीव सैजल
श्री खुशी राम बालनाहटा
डॉ डेजी ठाकुर
श्रीमती रश्मिधर सूद
श्री उमेश दत्त शर्मा
श्री के आर भारती
श्री जे एस राणा

भारतीय जनता पार्टी, हिमाचल प्रदेश

Chakkar - Boileauganj Road Next to UCO Bank Kamna Nagar,
Chakkar, Shimla, Himachal Pradesh 171005

+91 177-2831892, 2831893 https://hp.bjp.org/

भाजपा को वोट दें